राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 06, अंक 128 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, रविवार 09 जून 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

मणिपुर के हिंसाग्रस्त जिले में 70 से ज्यादा घरों में आगजनी, कमांडो तैनात

इम्फाल। असम की सीमा पर स्थित मणिपुर के जिरीबाम जिले में भारी तनाव के बीच एक समुदाय विशेष के 70 से अधिक घर जला दिये गये हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इलाके में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। मणिपुर पुलिस के कमांडो भी तैनात किये गये हैं।

जिरीबाम में गुरुवार की रात संदिग्ध हथियारबंद हमलावरों द्वारा 59 वर्षीय सोइबाम सरतकुमार सिंह की हत्या के बाद जिरीबाम और पड़ोसी तामेंगलौंग जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया था।

पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को इम्फाल में बताया कि कथित तौर पर हथियारबंद हमलावरों ने जिरीबाम जले के लामताई खुनोऊ, दिबोंग खुनोऊ, नुनखल और बेगरा गांवों में एक विशेष समुदाय के घरों को जला दिया गया।

मेइती समुदाय के सोइबाम सरतकुमार सिंह की हत्या के बाद हिंसा भड़कने पर समुदाय के 200 से अधिक लोगों ने नये बने राहत शिविर में शरण ली है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुरुवार रात पीड़ित का शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किया। उनके शरीर पर कई घाव और कटे के निशान थे। कुछ निर्जन ढांचों में आग लगाने के बाद स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किया।

जल्द लिया जाएगा फैसला

राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाने पर सीडब्ल्यूसी में प्रस्ताव पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शनिवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक करीब 3 घंटे चली और इस बैठक में कई अहम प्रस्ताव पर चर्चा हुई और कई अपनाए गए। राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाने पर प्रस्ताव पास हो गया और इस पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा। लोकसभा चुनाव के बाद सीडब्ल्यूसी की यह पहली बैठक थी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कार्यसमिति की बैठक में सभी नेता मौजूद थे। उन्होंने जनता को धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारे देश के लोगों को इस लोकतंत्र को बचाए रखने, इस गणतंत्र के संविधान की रक्षा करने और सामाजिक-आर्थिक न्याय को बढ़ाने के लिए इतने शक्तिशाली जनादेश के लिए बहुत बहुत बधाई है।

उन्होंने कहा कि इस देश की जनता ने पिछले एक दशक में की गई शासन की प्रकृति और शैली दोनों को निर्णायक रूप से नकार दिया है।

लोकसभा चुनाव का ये जनादेश न केवल प्रधानमंत्री की राजनीतिक हार है, बल्कि उनकी नैतिक हार भी है। उन्होंने अपने नाम पर जनादेश मांगते हुए झूठ, नफरत, पूर्वाग्रह, विभाजन और अत्यधिक कट्टरपंथी अभियान चलाया था। यह जनादेश स्पष्ट रुप से लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं को 2014 के बाद निरंतर दबाए जाने के विरुद्ध है।

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कुछ राज्यों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दुर्भाग्यपूर्ण प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए और मेहनत करने का संकल्प लेती है। भले ही पार्टी का प्रदर्शन सामान्यत: सुधार और पुनरुत्थान की ओर अग्रसर है। उन राज्यों में कमियों को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए और उठाए जाएंगे, जहां पार्टी को और बेहतर नतीजों की उम्मीद थी, लेकिन जहां वह पूरी नहीं हुई।

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने बेहतरीन अभियान चलाया, जिसके केंद्र में गणतंत्र के संविधान और अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के आरक्षण के अवसर के प्रावधानों की जोरदार रक्षा को रखा गया था। हमने एक स्पष्ट वैकल्पिक राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण रखा। गरीबों का हित हमारे अभियान के केंद्र में था, राष्ट्रव्यापी सामाजिक और आर्थिक जनगणना को हमने रेखांकित किया, जिससे सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण एवं नौजवानों व किसानों की आकांक्षाओं को संबोधित किया जा सके। आम चुनावों का ये परिणाम वास्तव में हमारे सामूहिक प्रयास का नतीजा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति की ये बहुत बड़ी चूक होगी यदि इस मौके पर हम उन चार दिग्गजों को धन्यवाद नहीं देते जिन्होंने पार्टी के इस जुझारू अभियान का नेतृत्व किया। जिनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ऊर्जा और दृढ़ संकल्प पार्टी में सभी के लिए प्रेरणास्रोत रही है।

कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में बड़ा फैसला, सोनिया गांधी को चुना गया चेयरपर्सन

कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया है. कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को एक बार फिर चेयरपर्सन के तौर पर चुना गया है. मिली सूचना के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोनिया गांधी के नाम का प्रस्ताव रखा था. बता दें कि, कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक में तमाम दिग्गज कांग्रेस नेता संसद भवन के सेंट्रल हॉल पहुंचे हैं. बता दें कि, ये बैठक राहुल गांधी के रायबरेली से सांसद बने रहने और वायनाड छोड़ने की अटकलों के बीच हो रही है. खबर थी कि, इस मुद्दे पर आगामी 17 जून से पहले-पहले फैसला कर लिया जाएगा. वहीं बताया जा रहा है कि, इस मुद्दे पर कांग्रेस राहुल गांधी ने विचार करने का समय मांगा है.

गौरतलब है कि, जहां एक ओर लोकसभा चुनाव नतीजों के ऐलान के साथ ही 18वीं लोकसभा के गठन की प्रक्रिया का आगाज हो गया है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन भी दमदार विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए तैयार है. आज, कांग्रेस ने चुनाव नतीजों पर चर्चा के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई थी, जिसमें कांग्रेस सांसदों ने राहुल गांधी को लोकसभा में पार्टी का नेता नियुक्त करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया. हालांकि इसपर राहुल गांधी ने सोचने के लिए वक्त मांगा है.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का ट्राइबल यूथ हॉस्टल का दौरा

छात्रों से संवाद कर सफलता के लिए किया प्रोत्साहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने हॉस्टल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं छात्रों से संवाद कर उन्हें सफलता के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, आदिम जाति अनुसूचित जनजाति विकास मंत्री रामविचार नेताम एवं लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज भी साथ रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने हॉस्टल की सुविधाओं का जायजा लिया और देखा कि छात्रों को किस प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्रों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए और किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर किया जाए। मुख्यमंत्री ने हॉस्टल की सफाई, सुरक्षा और खानपान की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उनके लिए हॉस्टल व पीजी की व्यवस्था की जाएगी। यह कदम छात्रों की शिक्षा और करियर को बेहतर बनाने की दिशा में कारगर सिद्ध होगा। वहीं छत्तीसगढ़ के ज्यादा से ज्यादा बच्चे सिविल सेवा में सलेक्ट हो सकेंगे।

कुलविंदर कौर के समर्थन में आई पंजाब किसान कांग्रेस

सीएम मान पर भी साधा निशाना

चंडीगढ़(एजेंसी)। कंगना रणौत-कॉन्स्टेबल कुलविंदर कौर विवाद में पंजाब किसान कांग्रेस भी कूद पड़ी है। पंजाब किसान कांग्रेस के प्रमुख किरणजीत सिंह ने सीआईएसएफ महिला कांस्टेबल का समर्थन किया है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं उन्होंने इस घटना पर चुप्पी साधने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भी निशाना साधा।

हवाई अड्डों पर सुरक्षा मुहैया कराने वाली सीआईएसएफ ने गुरुवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर

हुई इस घटना की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं, जबकि मोहाली पुलिस ने कुलविंदर कौर के खिलाफ धारा 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने की सजा) और 341 (गलत तरीके से रोकने की सजा) के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों ही जमानती अपराध हैं। किरणजीत सिंह ने कहा कि थप्पड़ मारने की घटना का कोई सीसीटीवी फुटेज न होने के बावजूद महिला कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जब थप्पड़ मारने की कोई फुटेज नहीं है तो एफआईआर क्यों दर्ज की गई? मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पंजाब किसान कांग्रेस के सभी सदस्य कौर और उनके परिवार के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उन्हें पूरा समर्थन देने का वादा करते हैं। सिंह ने अभिनेत्री पर उनके इस बयान के लिए निशाना साधा कि पंजाब में आतंकवाद और उग्रवाद बढ़ रहा है। सिंह ने इस मुद्दे पर कोई बयान जारी न करने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पंजाब के सीएम खुद को किसानों का समर्थक कहते हैं, फिर वे चुप क्यों हैं? उन्हें इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। वहीं पंजाब किसान कांग्रेस प्रमुख ने पंजाब के नवनिर्वाचित सांसदों से भी इस मामले को संसद में उठाने का आग्रह किया।

रणौत ने गुरुवार को एक वीडियो संदेश में कहा था कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान कांस्टेबल ने उनके चेहरे पर मारा और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा के लिए चुने जाने के दो दिन बाद यह मामला सामने आया। गुरुवार को घटना के बाद दिल्ली पहुंचने के बाद एक्स पर पोस्ट किए गए पंजाब में आतंक और हिंसा में चौंकाने वाली वृद्धि शीर्षक वाले एक वीडियो बयान में रणौत ने कहा कि वह सुरक्षित और ठीक हैं। रणौत ने कहा कि कांस्टेबल बगल से उनकी तरफआई और उसने मेरे चेहरे पर मारा और गाली-गलौज करने लगी। मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया। तब उसने कहा कि वह किसानों के विरोध का समर्थन करती है। कंगना ने कहा कि मैं सुरक्षित हूं, लेकिन मेरी चिंता यह है कि पंजाब में आतंकवाद और उग्रवाद बढ़ रहा है... हम इससे कैसे निपटें?

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा पहले ही कांस्टेबल कुलविंदर कौर के समर्थन में आ गए हैं।

केजरीवाल सरकार वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए दायर याचिका पर करे विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल सरकार के मुख्य सचिव को राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ नागरिकों की कुल संख्या के बारे में डेटा जुटाने के लिए घर-घर जाकर सर्वे करने की वकालत करने वाली याचिका पर 12 हफ्ते के भीतर फैसला लेने का आदेश दिया है।

कोर्ट का यह आदेश सलेक चंद जैन की ओर से दायर जनहित याचिका (पीआईएल) के जवाब में आया है। याचिका में दिल्ली के हर जिले में एक न्यू सीनियर सिटीजन होम बनाने की भी मांग की गई।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की खंडपीठ ने मुख्य सचिव को आदेश दिया कि वे जनहित याचिका को प्रतिनिधित्व के रूप में लें।

सलेक चंद जैन की याचिका में व्यापक डेटा कलेक्शन और बुजुर्गों के लिए बेहतर सुविधाओं की जरूरत पर जोर दिया गया है। इसके अलावा कहा गया कि इस समय दिल्ली सरकार से वित्त पोषित केवल दो सीनियर सिटीजन होम हैं और दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा प्रबंधित एक अतिरिक्त होम है।

यह याचिका वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और संरक्षण में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अधिकारियों की ओर से उनकी जरूरतों और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जैन के वकील ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को अक्सर अपने परिवारों से उपेक्षा और भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

दुर्ग में टिंबर व्यवसायी के घर डकैती, 30 तोला सोने के जेवर और 25 हजार नगद ले भागे बदमाश

एसीसीयू की टीम जांच में जुटी

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले के अंजोरा क्षेत्र में रसमडा गांव में एक टिंबर व्यवसायी के घर डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया है। बदमाशों ने देर रात टिंबर व्यवसायी के घर घुसकर उन्हें बंधक बनाया और उनके घर से 30 तोला सोने के जेवर और 25 हजार रुपए नगद लूट कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची अंजोरा पुलिस और एसीसीयू की टीम आरोपियों की पतासाजी में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक घटना शुक्रवार देर रात की है। अंजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रसमडा गांव के रहने वाले दिलीप मिश्रा टिंबर का व्यवसाय करते हैं। दिलीप मिश्रा और उनकी पत्नी शुक्रवार की रात घर में खाना खाकर देर रात सो कर रहे थे। तभी देर रात करीब

3 बजे पांच बदमाशों ने उनके घर में धावा बोल दिया। बाउंड्रीवाल को फांदकर अंदर आए और पीछे का दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया। फिर पति पत्नी दोनों को चुनरी और रस्सी से बांधकर बंधक बनाकर घर में रखा। उसके बाद घर में कीमती सामान ढूंढने लगे।

आरोपियों ने वहां से 30 तोला सोने के जेवर और 25 हजार रुपए नगद और दोनों का मोबाइल लूटकर वहां से फरार

हो गए। खबर लगते ही पुलिस की क्राइम डीएसपी हेम प्रकाश नायक के नेतृत्व में क्राइम और अंजोरा चौकी की टीम मौके पर पहुंच गई और आरोपियों की खोजबीन में जुट गई है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने घटना को अंजाम देने से पहले पास के खेत में बैठकर नशा किया उसके बाद वारदात को अंजाम दिया।

दोनों का मोबाइल रास्ते में फेंका

आरोपियों ने घटना को अंजाम देने के बाद दोनों पति पत्नी का मोबाइल भी साथ ले गए। जिसमें से एक मोबाइल घर के बाहर फेंका और दूसरा मोबाइल रसमडा पुलिया के पास फेंका था। जो घटना के बाद पुलिस ने ट्रैक किया तब जाकर दोनों मोबाइल मिला।

इकलौता बेटा हैदराबाद में

बताया जा रहा है कि ज्यादातर टिंबर व्यवसायी दिलीप मिश्रा और उनकी पत्नी किरण मिश्रा ही घर में रहते थे। उनका इकलौता पुत्र हैदराबाद में जॉब करता हैं। छुट्टियों में ही घर आता है। शुक्रवार को भी वह हैदराबाद में ही था घर पर केवल पति पत्नी ही थे।

सीसीटीवी फुटेज में घर में दाखिल होते दिखे पांच युवक

घटना के बाद पुलिस लगातार आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की पतासाजी में जुट गए। फ्लिहाल पुलिस के हाथ पीड़ित की दुकान में लगा सीसीटीवी फुटेज लगा है। जिसमें पांच बदमाश हाथों में डंडा आदि लिए घर में दाखिल होते दिखाई दे रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि इस वारदात को चड्डी बनियान गिरोह ने अंजाम दिया है। जो झाबुआ, देवास और धार के होने की बात कही जा रही है।

दलालों का बढ़ा नेटवर्क, सभी तरह के फर्जी कार्य करवाने में है माहिर

चुंगल में फंसे भू-स्वामी परेशान, दलालों पर प्रशासन की मेहरबानी क्यों?

दुर्ग (समय दर्शन)। जमीन संबंधी विवादों के निपटारे के लिए अदालत पहुंचने वाले लोगों को अपने झांसे में फंसाने के लिए दलालों का बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है। तहसीली, कलेक्ट्रेट और भू रजिस्ट्रार कार्यालय के इर्दगिर्द इनका जमावड़ा रहता है। ये लोग जमीन संबंधी सभी विवादों का निपटारा करा देने का दावा करते है, जबकि इनके पास न कोई डिग्री होती है और न पात्रता। किसी पात्र वकील की तरह ही सलाह मशविरा देकर गांव व शहरों के भू-पीड़ितों को अपने जाल में फंसाते है, फिर उन्हे जमीन माफ्याओं के चक्कर में उलझा देते हैं। लूट खसोट के इस खेल में उन्हें सरकारी तंत्र के कुछ लोगों का संरक्षण मिलने से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। ये दलालनुमा तत्व भू माफ्याओं को शिकार मुहैया कराते है, तो दूसरी ओर आमजनो की परेशानी बढ़ा भी देते है। इन दलालों के दुश्चक्र से मुक्ति के लिए उन पर अब नकेल कसना जरूरी हो गया है। वैसे भी दुर्ग-भिलाई में जमीन दलाल और भू माफ्या द्वारा सरकारी तंत्र के साथ मिलीभगत कर खाली जमीनों पर बंदरबाट करने की बात नई नहीं है। रजिस्ट्री ऑफिस, तहसीली व कलेक्ट्रेट में हर समय दलालों का जमावड़ा लगा रहता है। सूरत ए हाल देख कर यूं लगता है कि इन दलालों के सहयोग से जमीन दलाल और माफ्या मिलकर धीरे धीरे शहर की सभी खाली पड़ी जमीनों को निगल जाएंगे और आम शहरी मुंह ताकता रह जाएगा। भूमि के इस अवैध व्यवसाय में सीमांकन, परिसीमन तथा बाटांकन के नियमों की खुल कर धज्जियां उड़ाई जा रही है। खसरा नंबर में हेरफेर कर रिकॉर्ड को बदलने में भी गुरेज नहीं किया जा रहा है। दुर्ग में आलम यह है कि दलालों के बिना आम आदमी अपना एक इंच जमीन भी खरीदी-बिक्री नही कर सकता है। सरकारी तंत्र ही दलाली प्रथा को बढ़ावा देते नजर आता है। ये सक्रिय दलाल वकील से जुड़े सारे कार्य खुद करते है, जबकि उनके पास इसके लिए जरूरी योग्यता भी नही होती है। इतना बड़ा फ्राड हो रहा है। ऐसा भी नहीं है कि इन सारे कृत्यो से प्रशासन बेखबर हो,फिर इस मामले में अनदेखी क्यों की जा रही है,यह बड़ा सवाल है। दलालों के कारनामे ऐसे है कि वे कागजों में जमीनों की उपयोगिता ही नही बल्कि मालिक के नाम भी बदल देते है। ऐसे कृत्य से दलाल एक ओर लाखो करोड़ो रुपए मुनाफा कमाते हैं, तो दूसरी ओर जिंदगी भर पाई-पाई जोड़ कर जमीन खरीदने वाले आम आदमी खुलेआम ठगी का शिकार हो रहे है और उसकी कोई सुनवाई भी नही हो रही।

ये दलाल दुर्ग-भिलाई के अलावा रिसाली क्षेत्र में सक्रिय है। भिलाई में खासकर बाबा दीपसिंह नगर, जूनवानी,फरीदनगर के भूस्वामी इनके कृत्यों से पीड़ित और परेशान है। ऐसे दलालों पर कार्यवाही नहीं होने से उनके हौसले बुलंद है। जिनके खिलाफ पीड़ित भूस्वामी कार्यवाही की आस लगाए हुए बैठे है। मालूम हो जब से राज्य बना है, दुर्ग सहित पूरा राज्य भू-माफ्या की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। यह एक बड़ी चिंता का विषय है, जिसके बावजूद जिम्मेदार लोग कोई ठोस कदम नहीं उठाते। जबकि अब जमाना ऑनलाइन का हो चुका है। तब भी जमीनों पर खेला बढ़ता ही जा रहा है। इस शहर में जमीनों के अवैध व्यापार से दलाल अकूत संपत्ति खड़ी कर चुके है। ऐसा लगता है उन्हें सरकारी तंत्र का संरक्षण है। तो फिर न्याय के गुहार आखिर कहां लगाई जाए। यह मामला न केवल जमीन के अवैध कब्जे का मामला है, बल्कि समाज के विकास और समृद्धि को भी बाधित कर रहा है। दलाल भू-माफ्या द्वारा जमीनों पर अवैध कब्जे करने की प्रवृत्ति छत्तीसगढ़ के विकास को रोक रही है। इस प्रकार के अवैध कब्जे से प्रभावित होने वाले लोग अपने अधिकार से वंचित हो रहे हैं, जिससे उनका सामाजिक और आर्थिक विकास प्रतिबंधित हो रहा है। छत्तीसगढ़ में भू-माफ्या का आक्रामक व्यापार न केवल जमीन संबंधित मामलों में है, बल्कि इसका सीधा असर समाज पर भी पड़ रहा है। अवैध कब्जों के चलते गरीब और वंचित व्यक्तियों की स्थिति और भी पीड़ादायक हो रही है। सरकार को जल्दी से जल्दी उचित कदम उठाने की आवश्यकता है,ताकि भू संबंधी कार्यों से जुड़े दलालो की गतिविधियों पर विराम लगाया जा सके। सख्त कानूनी कार्रवाई और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। छत्तीसगढ़ के सरकारी और निजी संगठनों को मिलकर कार्रवाई करने की आवश्यकता है,ताकि यह अवैध कब्जा विवाद समाज के लिए नासूर न बनें।

जनता ने तानाशाही शक्तियों को करारा जवाब दिया- मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने तानाशाही शक्तियों और संविधान विरोधी लोगों को करारा जवाब दिया है तथा भारतीय जनता पार्टी के 10 साल की विभाजनकारी, नफरत और ध्रुवीकरण की राजनीति को खारिज कर दिया. खरगे ने पार्टी की विस्तारित कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में अपने संबोधन में चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा, 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के नेताओं तथा अपनी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया साथ ही कहा कि इस साल के अंत में विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में हर क़ीमत पर विरोधी दलों को परास्त कर अपनी सरकार बनानी है.

निलंबन को निरस्त करने जिला पटवारी संघ ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

निलंबन निरस्त नही होने पर होगी अनिश्चित कालीन हड़ताल - जिला पटवारी संघ

सारँगढ़ (समय दर्शन)। सारँगढ़ नवीन जिला हमेशा सुर्खिया बटोर रहा आये दिन नई नई करनामा सुनने को मिलेगा आज ऐसे मामले से आपको रूबरू करवाएंगे जिसे आप पढ़कर हैरान हो जाएंगे जिले कलेक्टर ने सारँगढ़ शहर पटवारी उमेश पटेल को निलबिंत किया गया था वही उस आदेश को सारँगढ़ पटवारी संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन सौपा उक्त ज्ञापन में आपके संदर्भित आदेश के तहत् उमेश कुमार पटेल पटवारी हल्का नंबर 28 सारंगढ को बिना कोई सही कारण के निलंबन कर दिया गया है। निलंबन में उल्लेखित कारण डिजिटल हस्ताक्षर हटाया जाना तथा बिना समक्ष प्राधिकारी के अनुज्ञा के खसरा नंबर 975/1 को विलोपन किये जाने एवं खसरा 975/1/व/1 से संबंधित जानकारी में संसोधन किये जाने का प्रथमतया दोषी होने पर निलंबित किया गया उल्लेखित है । वर्तमान भुईया पोर्टल में पटवारी आई डी में न तो डिजिटल हस्ताक्षर हटाने का विकल्प है, न ही किसी खसरा को विलोपन किये जाने का विकल्प है। पटवारी आई डी में भूमिस्वामी से संबंधित मोबाईल नंबर, आधार नंबर, किसान किताब (ऋण-पुस्तिका), लिंग प्रविष्टि का ही विकल्प दिया गया है। इसके अलावा भूमिस्वामी से संबंधित समस्त सुधार जैसे भूमिस्वामी के नाम त्रुटि, पिता का नाम सुधारना जाति सुधार खसरा संकलन एवं विलोपन, रकबा सुधार, सिंचित असिंचित सभी सुधार अनुविभागीय अधिकारी (रा0) के पास धारा 115 के तहत् किया जाता है, जिसमें कोई भी सुधार पटवारी आई डी से संभव ही नहीं है। उपरोक्त जिला पटवारी संघ ने संदर्भित निलंबन आदेश को निरस्त कर वापस लिये जाने एवं पीड़ित पटवारी को यथावत् पदस्थ करने कि महती कृपा करने की मांग किया गया है ।

राजस्व पटवारी संघ जिला शाखा सारंगढ़-बिलाईगढ़ ने निवेदन और आक्रोश व्यपात किया और कहा आपके द्वारा सहृयतापूर्वक कार्यवाही नहीं किये जाने पर राजस्व पटवारी संघ जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ दिनांक 12/06/2024 दिन बुधवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाने के लिए विवश होगें जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेही जिला प्रशासन सारंगढ़े-बिलाईगढ़ की होगी।

शिक्षकों व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया जा रहा ब्लॉक लेवल बालवाड़ी प्रशिक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। बरमकेला के बीईओ नरेश कुमार चौहान ने शुक्रवार को ब्लाक स्तरीय तीन दिवसीय बालवाड़ी प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बरमकेला के 6 कमरों में यह प्रशिक्षण संचालित है, जिसमें 144 शिक्षक, 144 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कुल 288 प्रशिक्षार्थियो ने सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 तक बालवाड़ी का प्रशिक्षण ले रहे हैं।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य 3 वर्ष से लेकर 6 वर्ष तक बच्चों को बालवाड़ी बच्चों का देखभाल खेल के माध्यम से बच्चों का पठन-पाठन, शिक्षा की गुणवत्ता बिना मानसिक दबाव के शिक्षा आंगनबाड़ी बालवाड़ी के बच्चों को दो अक्षर का अक्षर वाला शब्द जो है, जानना चाहिए तथा एक से नौ तक गिनती सीधी आ जाए और 9 से 1 तक की गिनती वह उल्टी भी बोल सके। अपने दैनिक जीवन में आने वाली समस्या को स्वयं समाधान करने की तथा बच्चों को कैसे स्वस्थ रखा जाए और स्वस्थ मस्तिष्क में कैसे अच्छे विकास होगा। ध्यान में रखते हुए दिया जा रहा है।

सभी प्रशिक्षण ले रहे शिक्षक शिक्षिका एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए बरमकेला के बीईओ नरेश कुमार चौहान ने कहा कि एलिमेंट्री एजुकेशन को बेहतर बनाने के लिए विशेष पहल की जा रही है। शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। बच्चों के स्तर सुधार एवं क्षमता विकास के लिए प्रभावी कदम है। खंड स्त्रोत समन्वयक प्रेमसागर नायक ने प्रशिक्षण के महत्व, स्कूल रेडीनेस एवं परिवेश निर्माण के संबंध में संबोधन किया।

आदिवासी समाज की बैठक के दौरान युवाओं ने लिया पर्यावरण का संकल्प

बसना(समय दर्शन)। सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग जिला महासमुन्द के निर्देशन में , भंवरपुर गढ़ स्थित आदिवासी भवन मे बसना ब्लॉक इकाई सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग के बैठक के दौरान युवा टीम का गठन किया गया।

जिसमें सर्व आदिवासी समाज के युवाओं ने बैठक में बड चडकर भाग लिया। यह मनोज सिदार के नेतृत्व में युवाओं को विभिन्न पदभार दिया गया। जिसमें अध्यक्ष - देव ठाकुर , उपाध्यक्ष - दिव्या नागेश,केदारनाथ दीवान (कंवर), सचिव - राजेंद्र पोर्ते, कोषाध्यक्ष - टिकेश्वर मरकाम, महासचिव - संजय जगत,सुमंत जगत,संरक्षक - नीलमणि सिदार, मीडिया प्रभारी - किशन जगत,केशव सिदार को दिया गया , इस दौरान लवकुमार पोर्ते, चंद्रिका सिदार,कन्हैया लाल जगत,धर्मेंद्र जगत आदि अनेक सामाजिक संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

जन उपस्तिथ थे।

सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का सम्मान पौधे वितरण कर किया गया और सभी ने पर्यावरण सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। ज्ञात हो कि प्रकृति संरक्षण की जब कहीं भी बात होती है, तब तक अधूरी मानी जाती है जब तक आदिवासी समाज के महान योगदान को याद न कर लिया जाए,, क्योंकि आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति को संरक्षित कर साथ लेकर चलते हैं।

आदिवासी युवा समाज सेवी मनोज सिदार ने बताया कि आदिवासी संस्कृति न केवल प्रकृति का संरक्षण करने वाला है, बल्कि संपूर्ण मानव जाति का भी संरक्षण किया है द्य आदिवासी का मूल मंत्र जल ,जंगल, जमीन को माना जाता है , इसलिए सभी युवाओं ने हसदेव जंगल की हो रहे कटाई की भी निंदा की,, क्योंकि इससे वहां के स्थानीय आदिवासी तथा वहां निवासरत जीव जंतु भी प्रभावित है।

सरकार कर रही जनता से छलावा - मोनेश बंछोर

पाटन (समय दर्शन)। वरिष्ट कांग्रेस नेता मोनेश बंछोर ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए जनता से छलावा करने वाली सरकार की संज्ञा दी है! उन्होंने कहा की शराबबंदी पर घड़ियाली आंसू बहाते हुए आए दिन आंदोलन करने वाली भाजपा आज प्रतिदिन 35 करोड़ से अधिक की शराब की बिक्री कर रही है और सालाना 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक की शराब के व्यापार का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए शराब दुकानों में क्यू आर कोड़ जैसी पेमेंट सुविधा दी जाएगी! जो की सरकारी अस्पतालों,स्कूलों में दी जानी चाहिए थी! इसके अलावा अहातें भी शुरू कर दिए गए हैं।

मोनेश बंछोर ने महिलाओं से वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए महतारी वंदन योजना को चुनावी योजना कहा है जिसके अंतर्गत पहले तो सभी महिलाओं को प्रति माह हजार रुपए की चार किस्त प्रदान की गई और अब चुनाव हो जाने के बाद महिला बाल विकास मंत्री ने पात्रता की जांच करने का आदेश जारी कर दिया! इसके अलावा स्वसहायता समूहों की 30000 महिलाओं से रेडी टू ईट का रोजगार वापस दिलाने का वादा भी चुनावी जुमला साबित हुआ है।

बिजली की दरों में बढ़ोतरी से आम जनता के अलावा किसानों पर विशेष प्रभाव पड़ा है! प्रति माह राशन में प्रति व्यक्ति 7 किलो की जगह सिर्फ 5 किलो चावल दिया जा रहा है! शीघ्र ही स्वामी आत्मानंद स्कूलों की मुफ्त शिक्षा सुविधा बंद करके फीस लेने की तैयारी सरकार ने कर ली है! हर तरह से जानता त्रस्त है और विष्णुदेव सरकार मस्त है।

श्रीकृष्ण जन्म पर झूमे श्रद्धालुः महाराज ने कहा

भक्ति और भजन की कोई उम्र नहीं, भक्त ध्रुव ने 5 साल की उम्र में ईश्वर को पाया

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम कसही में चल रही श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कथा में जैसे ही भगवान का जन्म हुआ तो पूरा पंडाल 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान लोग झूमने-नाचने लगे। इसके बाद कलाकारों ने भागवत कथा स्थल पर झांकी के माध्यम से श्री कृष्ण जन्म की कथा का प्रदर्शन किया। श्री कृष्ण जन्म के अवसर पर पूरा भागवत कथा स्थल को गुब्बारों से सजाया गया था।

भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप में नन्हें बालक के दर्शन करने के लिए लोग लालायित नजर आए। भगवान के जन्म की खुशी पर महिलाओं ने अपने घरों से लाए गए गुड़ के लड्डूओं से भगवान को भोग लगाया। इस अवसर पर पंडित वासू मोहन दुबे ने कहा कि जब धरती पर चारों ओर त्राहि-त्राहि मच गई। चारों ओर अत्याचार, अनाचार का साम्राज्य फैल गया। तब भगवान श्रीकृष्ण ने देवकी के 8 वें गर्भ के रूप में जन्म लेकर कंस का संहार किया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

पाटन ब्लॉक में शाला प्रवेश उत्सव मनाने की तैयारी शुरू

किताबो के साथ पात्र छात्राओ को मिलेगी साइकिल, प्रत्येक संकुल में बनेगा उल्लास सहज साक्षरता केंद्र

पाटन (समय दर्शन)। सत्र 2024/25 प्रारंभ होने के पूर्व श्री पी.के महिलांगे विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाटन के द्वारा वि. ख .पाटन के समस्त संकुल समन्वयक की आवश्यक बैठक आयोजित की गई उक्त बैठक में शासन के दिशा और दिशा निर्देश अनुसार 18 जून 24 को प्रवेश उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें गणवेश वितरण व नई पुस्तक देकर बच्चों स्वागत करने तथा इसके कक्षा नवी के बच्चों को साइकिल वितरण किया जाना भी प्रस्तावित है द्य इसके संबंध में विद्यालय खुलने के पूर्व विद्यालय की आवश्यक मरमत,साफ-सफाई, रंग रोगन कार्य तथा बालकान, पाठकान एवम् आवश्यक पंजी का संधारण के लिए संकुल समन्वयक को निर्देशित किया गया द्य विद्यालय प्रारंभ होने के दिन से ही न्योता भोजन प्रारंभ किया जाना हैं तथा शैक्षिक गतिविधियों के समयबद्ध रूप से प्रारंभ पर जोर दिया गया इसके साथ-साथ बच्चों के आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र बनाए जाने पर बात कही गईद्य इससे पूर्व में जिला स्तरीय बैठक में माननीय जिलाधीश महोदया के द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के बारे में भी बताया गया विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई द्य श्री खिलावन चोपड़िया बी.आर.सी पाटन के द्वारा विद्यालय शैक्षिक गतिविधियां, एफ . एल.एन.प्रशिक्षण एवं अन्य आवश्यक बुनियादी बातों पर संक्षिप्त चर्चा की गई द्य कमल कांत देवांगन के द्वारा प्रत्येक संकुल में एक मॉडल उल्लास सहज साक्षरता केंद्र के निर्माण किया जाना हैद्य उल्लास सहज साक्षरता केंद्र जहां असाक्षर व्यक्ति अपनी सुविधा के अनुसार अध्ययन कार्य कर सकेद्य जिला स्तरीय बैठक में से वि ख पाटन के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु असाक्षरों का साक्षर बनाने के लिए जून माह तक सर्वे कर एवं उल्लास ऐप में ऑनलाइन एंट्री के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गईद्य उक्त बैठक में श्री जैनेंद्र गंजीर ,श्री खिलेश वर्मा ,श्री राकेश सोनी एवं विखं पाटन के समस्त संकुल समन्वयक ने अपनी उपस्थिति प्रदान की।

सफाई कार्य में कर रहे श्रम दान, सरोवर हमारी धरोहर को सहेजने का काम शुरू

मार्निंग वॉक के बजाय नगर पंचायत पाटन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक जा रहे है तालाब

पाटन (समय दर्शन)। सुबह-सुबह लोग स्वस्थ शरीर के लिए मॉर्निंग वॉक के लिए जाते हैं । लेकिन नगर पंचायत पाटन के अधिकारी कर्मचारी सहित आम नागरिक एक अलग ही कार्य कर रहे हैं। प्रतिदिन सुबह नगर पंचायत पाटन के अलग-अलग तालाब में जाकर तालाब सफाई के लिए यह सब श्रमदान करते हैं ।

शुक्रवार को सुबह नगर पंचायत पाटन के सीएमओ सौरभ बाजपेई के नेतृत्व में अधिकारी कर्मचारी और पार्षदों के अलावा नगर के नागरिक भी बुद्धु तालाब में श्रमदान कर सफाई किया। बता दें कि नगर पंचायत पाटन को स्वच्छता एवं साफ सफाई के लिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं । वही नगर की साफ सफाई के साथ-साथ सरोवर हमारी धरोहर को मानते हुए तालाबों की सफाई की जिम्मा अब सब मिलकर उठा रहे हैं। यह सब जनप्रतिनिधि , अधिकारी गण और नागरिक गण प्रतिदिन सुबह-सुबह किसी न किसी तालाब में जाकर श्रमदान करते हैं। बता दे की तालाब के आसपास गंदगी होने के कारण पानी भी गंदा होने लगता है। इसे स्वच्छ बनाए रखने के लिए साफ सफाई का कार्य किया जा रहा है ।नगर पंचायत पाटन के सीएमओ सौरभ बाजपेई ने बताया कि साफ-सफाई के लिए सभी का सहयोग मिल रहा है। श्रमदान के कार्य में नगर पंचायत के सफाई कर्मियों के अलावा कर्मचारियों का एवं नगर के आम जनता के साथ-साथ चुने हुए जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग मिल रहा है । नगर पंचायत पाटन को स्वच्छ एवं साफसुथरा रखना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। आज सफाई कार्य में श्रम दान करने वालो में आभास दुबे, सौरभ बाजपेई, जयंत शर्मा, थानेश्वर वर्मा,,होरीलाल देवांगन , जलज , शैलेश , प्रवीण , छोटेलाल देवांगन नगर पंचायत कर्मचारियों का सहयोग रहा।

अब रात को भी एक घंटा सफाई अभियान

नगर पंचायत पाटन में स्वच्छता के लिए जोर शोर से कार्य किया जा रहे हैं । पहले नालियों की सफाई की गई अब रात को 1 घंटे का अभियान विशेष रूप से चलाया जा रहा है।। जिसमें की रात को मुख्य रूप से प्रमुख चौक चौराहे जो दिन भर व्यस्त रहते हैं तथा रात को खाली हो जाता है इन चौक चौराहों की साफसफाई का जिम्मा अब रात को किया जा रहा है।। इस कार्य में भी सीएमओ सौरभ बाजपेई के अलावा नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी गण जुड़ते रहते हैं।

सफाई सुपरवाइजर जलज सावर्णी ने बताया कि नगर के प्रमुख चौक चौराहा का साफ-सफाई नियमित किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

श्री नाईक को अपेक्स इंडिया विजिनरी लीडर अवार्ड एवं परियोजना को एचआर, सीएसआर और ग्रीन लीफप्लेटिनम अवार्ड

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। नई दिल्ली के शांगरी-ला-इरोज होटल में आयोजित 8वां अपेक्स इंडिया फाउंडेशन का एच.आर.अवार्ड-2023 समारोह संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के सांसद, मनोज तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि भारत सरकार, श्रम व रोजगार मंत्रालय के डा. अवनीश सिंह, महानिदेशक डीजीएफएएसएलआई (सेवानिवृत्त) विशेष रूप से उपस्थित थे।

अपेक्स इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा एनएमडीसी की परियोजना बीआईओएम, किरंदुल कॉम्प्लेक्स के मुख्य महाप्रबंधक पद्मनाभ नाईक को अपेक्स इंडिया विजिनरी लीडर अवार्ड से उनके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

इसी तरह किरंदुल परियोजना को एचआर एक्सीलेन्स प्लेटिनम, सीएसआर एक्सीलेन्स प्लेटिनम एवं ग्रीन लीफ एक्सीलेन्स प्लेटिनम अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड मेटर और माइनिंग सेक्टर में एचआर (मानव संसाधन) कार्मिक, सीएसआर (नैगम सामाजिक दायित्व) और पर्यावरण विभाग को उनके क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया गया है। उपरोक्त सभी अवार्ड दिल्ली से प्राप्त होने पर पद्मनाभ नाईक को बी.के.माधव, उप महाप्रबंधक (कार्मिक) ने अपने करकमलों से सौंपा। इस अवसर पर सर्वश्री अवनीश शर्मा, सहा.महाप्रबंधक (पर्यावरण), शैलेन्द्र सोनी, सहा.महाप्रबंधक (कार्मिक), विवेक रक्षा, प्रबंधक (सीएसआर), अमित कुमार फुलझेले, प्रबंधक/एसओटी व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। अवार्ड प्राप्त होने पर श्री नाईक ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को हार्दिक बधाई दी।

जगतगुरु गुरुगद्दी नसीन रूद्रकुमार आज सपोस के प्रवास पर

बसना(समय दर्शन)। सतनामपंथ के जगतगुरू गुरुगद्दी नसीन रूद्रकुमार पूर्व केबिनेट मंत्री छ.ग. शासन 9 जून, रविवार को बसना विधानसभा व ब्लाक पिथौरा के ग्रीन ग्राम सपोस के प्रवास मे रहेंगे । सतनाम पंथ के जगत-गुरु रूद्रगुरू, राजमहंत पी एल कोसरिया के ज्येष्ठ पुत्र मनोज कोसरिया पुत्रवधु रंजना कोसरिया को प्रथम कन्या रत्न प्राप्ति उपलक्ष्य में नामकरण संस्कार कार्यक्रम के शुभ अवसर पर आयोजित चौका आरती सतनाम सत्संग के कार्यक्रम में पधारकर नन्हे मेहमान को आशीर्वाद प्रदान कर संत समाज को गुरूवाणी व दर्शन लाभ देंगें। जगत गुरू के सानिध्य में नामकरण संस्कार- संध्या 7 बजे, संगीतमय सतनाम सत्संग-रात्रि - 8बजे से,,पं.देवदास आचार्य कनकपुर वाले,एवं लोक गायिका जलेश्वरी बाई लोक कला मंच राहौद द्वारा।

बुधुडोंगर गांव में अष्टप्रहरी नामयज्ञ का अनुष्ठान

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली विधान सभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बुधुडोंगर में आज दिनांक 9 जून 2024 और 10 जून 2024 को प्रति वर्ष की भाती इस वर्ष भी अष्टप्रहरी नामयज्ञ संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इस अंचल में जहां-जहां भी संकीर्तन होता है वहा हरे राम,हरे कृष्ण,कृष्ण-कृष्ण,हरे-हरे का गायन होता हैं। इस वर्ष आमंत्रित संकीर्तन मंडली हैं। 1,रंगीन कीर्तन मंडली खैरमाल (छ.ग.), 2,रंगीन कीर्तन मंडली टीभूपाली (छ.ग.), 3,रंगीन कीर्तन मंडली कोटेनदरहा (छ.ग.), 4,रंगीन कीर्तन मंडली बगारपानी (उड़ीसा), 5,रंगीन कीर्तन मंडली कनकेबा (छ.ग.), 6,रंगीन कीर्तन मंडली बुधुडोंगर आयोजक समिति(छ.ग.) एवं स्थानीय संकीर्तन मंडलीयों का आगमन है,9 जून 2024 को कलश यात्रा के साथ समस्त देवी-देवताओं के आवाहन पश्चात् नाम उच्चारण किया जाएगा। 10 जून 2024 को आठ प्रहारों के अनवरत अखंड नामजपन के पश्चात् पूर्णाहुति के बाद महाप्रसाद भंडारा सेवन का अयोजन किया जाएगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24

अमृतकाल : छत्तीसगढ़ विजन@/2047 डॉक्यूमेंट तैयार करने वर्किंग ग्रुप के अधिकारियों की बैठक

छग में कुशल निवेश और कुशल निवेश तंत्र अपनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता

रायपुर। अमृतकाल: छत्तीसगढ़ विजन@2047 डॉक्यूमेंट तैयार करने वाणिज्य, उद्योग और अधोसंरचना विकास विषय पर गठित वर्किंग समिति की बैठक राज्य नीति आयोग अटल नगर नवा रायपुर के सभा कक्ष में आयोजित की गई। वाणिज्य उद्योग और अधोसंरचना विकास से संबंधित लक्ष्य, चुनौतियां एवं सामर्थ्य विषय पर विस्तार से चर्चा की गई तथा वर्किंग समिति के सदस्यों द्वारा सुझाव दिए गए।

छत्तीसगढ़ में कुशल निवेश और कुशल निवेश तंत्र अपनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता, खाद्य परीक्षण, एवं प्रमाणन सुविधाएं बढ़ाने, औद्योगिक पार्कों की वृद्धि करने, पर्याप्त कुशल कार्यबल की उपलब्धता, लॉजिस्टिक संबंधी बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने, पर्याप्त परिवहन संपर्क स्थापित करने, उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त पारिस्थितिकी तंत्र, राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के भीतर पर्यटन स्थलों के बारे में जागरूक और प्रचार-प्रसार करने में ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

राज्य नीति आयोग के सदस्य सचिव अनूप श्रीवास्तव एवं सदस्य के. सुब्रमण्यम ने विभागों द्वारा बनाए गए लघु, मध्यम एवं दीर्घकालीन विजन एवं रणनीतियों के निर्धारण हेतु अपना सुझाव दिए।

के सुब्रमण्यम ने जीडीपी, रोजगार, कृषि एवं संबंधित उद्योग, प्रति व्यक्ति आय, सेवाएं, व्यय एवं निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक, प्रशिक्षित कार्मिक, शासन और नीतियों की अनुकूलता, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए कौशल सुधार जैसे विषयों पर अपने विचार दिए। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय को बढ़ावा देने के लिए उच्च उत्पादन वाले क्षेत्रों में रोजगार पैदा करना महत्वपूर्ण है। सदस्य सचिव अनूप श्रीवास्तव ने कहा की सतत एवं पुनर्योजी विकास में ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य को कृषि एव प्रसंस्कृत सुपर फूड के पावर हाउस में परिवर्तन किया जा सकता है। राज्य हर्बल उपचार का केंद्र बन सकता है। बीपीओ और के पी ओ जैसी आईटी सेवा में विस्तार करने की आवश्यकता है साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के रोजगार पर भी ध्यान देना होगा। वन धन, लघु वन उपज को बढ़ावा तथा उसके व्यवसायीकरण को भी डाक्यूमेंट में शामिल किया जाना चाहिए। योजना आर्थिक विभाग के सचिव अंकित आनंद ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों और भारी धातुओं से समृद्ध राज्य है। एकीकृत औद्योगिक पार्कों की स्थापना के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण जैसे प्राथमिकता वाले विकास क्षेत्रों को विकसित करने जैसे विषय को डॉक्यूमेंट में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य सात राज्यों की सीमाओ से जुड़ा है जो की देश के 40 प्रतिशत हिस्से तक पहुंच है। यहां लॉजिस्टिक हब बनाने का यह एक मजबूत अवसर भी है। बैठक में वाणिज्य उद्योग विभाग, हाउसिंग बोर्ड, ग्रामीण एवं नगर निवेश, पर्यटन, ऊर्जा, वित्त, क्रेडा, खादी एवं ग्रामोद्योग, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ,अटल नगर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग सिडबी के अधिकारियों ने अपने विभाग के लक्ष्य, चुनौतियां एवं सामर्थ्य का प्रेजेंटेशन दिया। आईटी, वित्त, पर्यटन और खनिज संसाधन के एक्सपर्ट भी शामिल रहे तथा कोरबा एवं रायगढ़ जिला के कलेक्टर वर्चुअल रूप से जुड़कर अपना सुझाव दिए। उल्लेखनीय है की विजन डाक्यूमेंट तैयार करने का उत्तरदायित्व राज्य नीति आयोग को सौंपा गया है। सितंबर तक विजन डॉक्यूमेंट का अंतिम रिपोर्ट तैयार करने की अपेक्षा की गई है इसके लिए अलग-अलग विषयों पर आठ वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव अन्बलगन पी., वित्त सचिव मुकेश बंसल, संयुक्त संचालक डॉ. नीतू गौरडिया सहित समिति के सदस्य गण एवं नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत का प्रतिशत 50 फीसदी रहा : शिवरतन शर्मा

रायपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शुक्रवार को क्लस्टर प्रभारी, लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक, सह संयोजक एवं जिला अध्यक्षों की बैठक आहूत की गई। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक शिवरतन शर्मा ने चुनाव प्रबंधन समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को लोकसभा चुनाव में शानदार सफलता के लिए बधाई दी। भाजपा ने संपन्न हुए लोकसभा चुनाव 441 सीटों में चुनाव लड़े और 240 सीटों में जीत हासिल की। अर्थात भाजपा की जीत का प्रतिशत 50त्न रहा। शर्मा ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व द्वारा दिया गया लक्ष्य लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्राप्त किया है। हमें 51 प्रतिशत वोट पाने का लक्ष्य दिया गया था और आप सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से हमने छत्तीसगढ़ में 52.5 प्रतिशत वोट प्राप्त किया यानी कि विधानसभा चुनाव से 6 प्रतिशत ज्यादा वोट भाजपा को प्राप्त हुआ। शर्मा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को 293 सीटें प्राप्त हुई हैं और अब 10 निर्दलीय सांसदों ने भी अपना समर्थन देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को मजबूत करने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी आज 99 सीटों में ही सिमटकर रह गई है। भाजपा का जीत का प्रतिशत कांग्रेस पार्टी से 11त्न से ज्यादा रहा। शिवरतन शर्मा ने कहा कि इस चुनाव में जातिवाद कहीं भी नहीं दिखा। यह चुनाव जातिवाद के बजाय राष्ट्रवाद प्रमुख विषय रहा। भाजपा से कोई समाज दूर नहीं रहा। सभी समाज के लोगों ने हमें भरपूर समर्थन दिया है। हमने 2023 के विधानसभा चुनाव में 54 सीटों पर जीत हासिल की और संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में हमें 68 विधानसभा क्षेत्र में बढ़त मिली है। कांग्रेस केवल 22 विधानसभा सीटों में बढ़त बना पाई है। छत्तीसगढ़ में भाजपा चौथी बार 11 सीटों में हुए चुनाव में 10 सीटों में जीत हासिल की है। ठीक इसी तरह हमें निकाय चुनाव एवं पंचायत चुनाव में भी जीत हासिल करना है और सफलता को फिर से दोहराना है। भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को अर्जित सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा है कि आप सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने चुनाव में जो अनथक परिश्रम किया है, यह सब उसी का प्रतिफल है। आप सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से हम सब एक बार फिर देश में एनडीए की सरकार बनाने में सफल हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के लिए देश विरोधी ताकतों ने तो जी-तोड़ कोशिशें खूब की लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं के परिश्रम के आगे वे ताकतें सफल नहीं हुईं।

आबकारी विभाग की कार्रवाई में 597 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आबकारी विभाग ने आचार संहिता के दौरान अवैध मदिरा परिवहन/विक्रय/धारण की सूचना पर कार्रवाई करते हुये कुल 597 प्रकरण कायम कर 15 लाख रूपये से अधिक मूल्य की 2570 लीटर देशी/विदेशी/महुआ शराब एवं लगभग 11 लाख रुपये मूल्य की 16 दोपहिया वाहन एवं 01 कार जब्त की है। यह कार्रवाई सचिव सह आबकारी आयुक्त आर संगीता के निर्देशानुसार, कलेक्टर गौरव कुमार सिंह के दिशा-निर्देश में एवं उपायुक्त आबकारी विकास कुमार गोस्वामी के मार्गदर्शन में हुई।

मुखबीर सूचना के आधार पर आबकारी विभाग ने चिन्हांकित स्थलों पर छापामार कार्यवाही कर उपरोक्त कार्यवाही की। इसके अलावा यूटर्न कैफे, सांगरिया, सुकुन, नया रायपुर स्थित अरण्यम कैफे, व्ही.आई.पी. रोड़ स्थित पिंड बलूची कैफे, वेलकम ढाबा समोदा, महाराजा ढाबा कोलर, शुभम ढाबा, दबंग ढाबा आरंग में आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों को जेल दाखिल किया गया। कैफे/ढाबा संचालकों को बिना लायसेंस ग्राहकों को मदिरा नही परोसने की चेतावनी भी दी गई। आबकारी आयुक्त विकास गोस्वामी ने कहा कि जिले में शराब एवं मादक पदार्थो के अवैध विक्रय, परिवहन एवं धारण पर रोकथाम हेतु शिकायत दर्ज कराये जाने हेतु एवं मदिरा दुकानों से संबंधित शिकायते टेलीफोन नंबर 0771-2428201 एवं टोल फ्री नंबर 14405 जारी किया गया है जिसमें कोई भी आम नागरिक शिकायत कर सकते है जिस पर त्वरित् कार्यवाही की जायेगी। शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रखा जायेगा।

विद्युत कर्मियों को सिखाए गए जीवन को सरल व चिंतामुक्त बनाने के गुर

'सिक्स डायमेंशन टू सक्सेस एंड 8 एटीट्यूड ऑफइलेक्टिव लिविंग' पर व्याख्यान

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के सेवाभवन में विद्युत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों के संतुलन से संपूर्ण स्वास्थ्य के विकास हेतु 'सिक्स डायमेंशन टू सक्सेस एंड 8 एटीट्यूड ऑफ इलेक्टिव लिविंग' पर प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय, हैदराबाद से आई मोटिवेशनल स्पीकर ब्रम्हाकुमारी राधिका दीदी ने व्याख्यान दिया। इस शिविर में मानव जीवन को सरल व चिंतामुक्त बनाने के 36 मानव मूल्यों पर चर्चा की गई।

प्रतिभागियों को विशेष परिस्थिति में इन 36 मूल्यों को अपनाने की सलाह दी गई, जिससे मनुष्य को बिना किसी तनाव के जीवनयापन करने में सहायता मिलेगी। उनके द्वारा उनके विभिन्न व्यक्तियों के जीवन संघर्ष की कहानियों का उदाहरण देते हुए बताया कि मानव जीवन जटिल है। जीवन को सरल बनाने, मन की सुख-शांति के लिए सत्संग, भजन व साधना अनिवार्य है। ध्यान योग से बढ़कर कोई योग नहीं है। साधना से ईश्वरीय प्रकाश को अपने मन के भीतर अपनाने से विभिन्न नकारात्मक भावनाओं को धीरे-धीरे दूर किया जा सकता है, जिससे कुछ समय बाद हम जीवन जीने की कला सीख जाते हैं। इस कार्यक्रम को अतिरिक्त महाप्रबंधक (मानव संसाधन) विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) उमेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा 4 से 10 जून तक समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा

अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस पर वाकाथन का आयोजन

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा 4 से 10 जून तक समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 6 जून को अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस पर रायपुर में एक वाकाथन का आयोजन किया गया। इस वाकाथन की अध्यक्षता राजेन्द्र कुमार साहू, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परि.) रायपुर ने की, और यह मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से खमतराई फाटक होते हुए पुन: मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय तक आयोजित हुआ।

इस वाकाथन में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी वी. रवि सहित रायपुर मंडल के सभी शाखा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। कुल 09 अधिकारियों, 10 सुपरवाइजर, 35 कर्मचारी एवं 25 सिविल डिफेंस वालंटियर सहित लगभग 110 लोगों ने इस आयोजन में भाग लिया।

वाकाथन के दौरान समपार फाटक पार करने वाले लोगों एवं रेलवे फाटक के आसपास की दुकानों तथा मुख्य सड़कों पर चलने वाले व्यक्तियों को समपार फाटक पार करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया गया। इस अभियान में करीब 350 लोगों को जागरूक किया गया और फाटक बंद रहने पर उसे पार न करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार पर डी सी ए टीम एवं सिविल डिफेंस वालंटियर के द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन/रायपुर ने अपने वक्तव्य में दुर्घटना से देर भली का नारा बुलंद किया। कार्यक्रम का समापन करते हुए वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी वी. रवि ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। संरक्षा अधिकारियों, संरक्षा सलाहकारों एवं सिविल डिफेंस वालंटियर के द्वारा भिलाई पावर हाउस, बिल्हा, लखोली स्टेशन, एवं विभिन्न समपार फाटकों जैसे खमतराई गेट, उरकुरा, मांढर, जिंदल, स्टेडियम, बिल्हा गेट सहित कुल 12 गेट, मंदिरहसौद बाजार, सेरीखेरी, पिरदा एवं तुलसी गांव में जाकर लोगों को पंपलेट वितरण, स्टीकर चिपकाकर एवं बैनर लगाकर जागरूक किया गया। कुल 64 अधिकारी एवं सुपरवाइजर तथा 25 सिविल डिफेंस वालंटियर एवं कर्मचारियों के द्वारा 1325 लोगों की काउंसलिंग की गई एवं 672 पामपलेट वितरित किए गए।

रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में ऑडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संरक्षा विभाग के संरक्षा सलाहकारों एवं कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत की है।

संक्षिप्त समाचार

लेखा प्रशिक्षण परीक्षा के परिणाम जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत शासकीय सेवकों के लिए लेखा प्रशिक्षण परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष 3 सत्रों (मार्च-जून, जुलाई-अक्टूबर, नवम्बर-फरवरी) में संचालनालय कोष लेखा एवं पेंशन छत्तीसगढ़ द्वारा किया जाता है। इस प्रशिक्षण में राज्य शासन के आधीन कार्यरत सहायक ग्रेड वर्ग-3, अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारी जिन्होंने तीन वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली वे प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु संबंधित कार्यालय द्वारा नामांकित किए जाते है। लेखा प्रशिक्षण परीक्षा में प्रथम प्रयास में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को एक अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ प्रदाय किया जाता है। संचालनालय कोष लेखा एवं पेंशन द्वारा प्रशिक्षण सत्र नवम्बर-2023 से फरवरी-2024 का परीक्षा परिणाम 06 जून 2024 को घोषित किया गया है। संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन महादेव कावरे ने बताया कि उक्त सत्र में कुल 246 परीक्षार्थियों में से 159 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए है। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का प्रतिशत 64.63 प्रतिशत रहा। 81 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है।

मॉब लीचिंग से दो लोगों की मौत राज्य के माथे पर कलंक का टीका : कांग्रेस

रायपुर। राजधानी से लगे आरंग में मॉब लीचिंग की घटना में दो लोगों की मौत पर कांग्रेस ने आक्रोश व्यक्त करते हुये दुर्भाग्यजनक बताया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यह राज्य की लचर कानून व्यवस्था का परिणाम है। सत्तारूढ़ दल के लोगों के संरक्षण में अराजक तत्व बेलगाम हो गये है। अपराधियों के हौसले बढ़ गये है। मॉब लीचिंग से दो लोगों की मौत राज्य के माथे पर कलंक का टीका है। इस प्रकार का गिरोह बनाकर कानून को हाथ में लेने का दुस्साहस ऐसे लोगों के पास कहां से आया? सरकार को इसका जवाब देना चाहिये। इस घटना से जुड़े लोग किस संगठन से जुड़े है? सरकार इसका खुलासा करे तथा इस प्रकार का गिरोह बाजी पर अंकुश लगाये।

सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति गलत काम कर रहा है तो उसके लिए बाबा साहब का बनाया गया संविधान है। उसके खिलाफ कानूनी कड़ी कार्यवाही होनी चाहिये, लेकिन गिरोह बाजी करके आतातायी संगठन बनाकर लोगों को रोकना, भयादोहन करना तथा भीड़ बुलाकर हिंसा फैलाना, किसी की हत्या करना सभ्य समाज में अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि माब लीचिंग की इस घटना ने छत्तीसगढ़ के सर को शर्म से झुका दिया है। भाजपा सरकार से प्रदेश की कानून व्यवस्था संभल नहीं रही है। सत्ता रूढ़ दल के लोग सत्ता के दंभ में अपराधियों को संरक्षण दे रहे है। जिसका दुष्परिणाम है कि राज्य में 5 महीने में ही अपराध का गढ़ बन गया है। चोरी, डकैती, हत्या, लूट, बलात्कार, माफियाराज, तस्करी, जुआ-सट्टा, नशाखोरी के अवैध कारोबार के बाद अब माब लीचिंग भी शुरू हो गयी है।

अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस पर वाकाथन का आयोजन

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा 4 से 10 जून तक समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 6 जून को अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस पर रायपुर में एक वाकाथन का आयोजन किया गया। इस वाकाथन की अध्यक्षता राजेन्द्र कुमार साहू, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परि.) रायपुर ने की, और यह मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से खमतराई फाटक होते हुए पुन: मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय तक आयोजित हुआ। इस वाकाथन में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी वी. रवि सहित रायपुर मंडल के सभी शाखा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। कुल 09 अधिकारियों, 10 सुपरवाइजर, 35 कर्मचारी एवं 25 सिविल डिफेंस वालंटियर सहित लगभग 110 लोगों ने इस आयोजन में भाग लिया।

रायपुर-महासमुंद सीमा पर मिले दो युवकों के शव, जांच में जुटी पुलिस...

रायपुर। रायपुर-महासमुंद सीमा पर महानदी पुल के पास नदी से दो युवकों के शव बरामद हुए। वहीं एक युवक गंभीर रुप से घायल अवस्था में मिला है। इस मामले में पुलिस ने जानकारी दी है कि रायपुर बॉर्डर पर महानदी के पुल के पास की घटना जिसमें दो युवकों की मृत्यु हुई है, एक का पोस्टमार्टम आरंग रायपुर और एक जिसको महासमुंद ले गए थे, वहां पोस्टमार्टम हुआ, जिनकी रिपोर्ट अप्राप्त है। मृतक सहारनपुर यूपी के रहने वाले है। इनकी गाड़ी जो महासमुंद से रायपुर की तरफ आ रही थी, उसका कुछ लोगों द्वारा पीछा किए जाने की सूचना है। एक अन्य युवक जो घायल है और अस्पताल में एडमिट है, बयान की स्थिति में नहीं है, उसके बयान लिए जाने का प्रयास किया जा रहा है। सीसीटीवी आदि की जांच जारी है। घटना में मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया गया है। मृतकों के नाम का नाम चांद मिया और गुड्डू खान। वहीं घायल सद्दाम खान का इलाज जारी है। सभी आरोपी फरार हैं। आरंग थाना पुलिस से मिली जानकारी जानकारी के अनुसार घटना रात लगभग 3 बजे की है। बताया जा रहा है कि ट्रक में मवेशी भरकर ले जाने के दौरान दर्जनभर लड़कों ने उनका पीछा किया। उन्होंने ट्रक को महानदी पुल में रूकवाया और इनकी पिटाई कर दी। इस मामले में दूसरी खबर यह है कि ये दोनों लड़के मारपीट होने से डर गए फिर महानदी में कूदकर अपनी जान दे दी। हालांकि, मौत की पुष्टि अभी नहीं हुई है।

संपादकीय

सबकी नजरें सजा पर टिकी

ऐतिहासिक फैसले में न्यूयॉर्क की अदालत ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी मामले में दोषी करार दिया। पहली बार है, जब किसी पूर्व या मौजूदा राष्ट्रपति को दोषी करार दिया गया। वह भी 34 मामलों में। ट्रंप को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। ट्रंप ने इस फैसले को अपमानजनक कहा और अध्यक्षता करने वाले जज को भ्रष्ट बताया। वे इसके खिलाफ अपील करेंगे। ट्रंप पर आरोप है कि 2016 में उन्होंने स्कैंडल से बचने के लिए पोर्न फिल्म स्टार को मुंह बंद रखने को कानूनी खर्च के तौर पर गुप्त रूप से मोटी रकम चुकाई थी जो उनके विवाहेतर संबंधों की कहानी अखबार को बेचने की बात कर रही थी। विशेषज्ञों के अनुसार जिन मामलों में पूर्व राष्ट्रपति दोषी ठहराए गए हैं, उनमें जेल की सजा की संभावनाएं बहुत कम हैं, बल्कि मोटा जुर्माना लगने की संभावना अधिक है। यह भी किउन्हें घर पर नजरबंद रखा जा सकता है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक जेल होने पर भी ट्रंप की उम्मीदवारी को आंच नहीं आ सकती। उनकी पार्टी ने व्हाइट हाउस की दौड़ में शामिल ट्रंप पर अपना भरोसा भी जताया है जबकि अभी औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार घोषित किया जाना बाकी है। पार्टी के आधे से अधिक पदाधिकारियों का उन्हें पहले से समर्थन प्राप्त है। कहा जा रहा है, उनमें से कुछ के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के दफ्तर द्वारा जब ट्रंप पर लगे आरोपों को घोर अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया था तभी उनके विरोधियों को भरोसा हो गया था कि वे चुनाव से पहले मुसीबतों में घिर सकते हैं। उन्होंने इसे कानूनी मानने की बाजाय राजनीतिक एक्सरसाइज करार दिया। पहले से ही माना जा रहा है कि सारी कवायद चुनाव को लेकर ही चल रही है। व्यवसायी होने के बावजूद ट्रंप सधे हुए राजनीतिज्ञ साबित हुए हैं। विरोधियों को टक्कर देने के मामले में पूरा दम-खम लगाने से नहीं चूकते। उन्हें युवाओं और जोशीले लोगों का समर्थन रहा है जिनके बारे में आकलन है कि वे अपने नेता के प्रति समर्पित बने रहने में कोताही नहीं करेंगे। हालांकि सबकी नजरें अब सजा पर टिकी हैं, जो अमेरिकी इतिहास ही नहीं, दुनिया भर के राजनीतिज्ञों के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

विवाद और बवंडर का विषय बना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र प्रधानमंत्री का कन्याकुमारी के विवेकानंद शिला स्मारक में ध्यान करना जितने बड़े विवाद और बवंडर का विषय बना उसे बिल्कुल स्वाभाविक नहीं माना जा सकता। भारत सहित विश्व समुदाय को प्रेरणा देने वाले विवेकानंद के ध्यान स्थल से जुड़े इस केंद्र पर प्रधानमंत्री जाकर ध्यान करते हैं तो इसका संदेश सर्वत्र जाता है और लोगों में भी विवेकानंद के जैसा बनने, विपरीत परिस्थिति में ध्यान करने और स्वयं को नियंत्रित कर देश के लिए काम करने की प्रेरणा मिलती है। विपक्ष ने यद्यपि बुद्धिमत्तापूर्वक कहा कि वे ध्यान साधना का विरोध नहीं कर रहे, क्योंकि उन्हें लगता था कि ऐसा करने से भाजपा को चुनावी लाभ हो जाएगा। इसलिए इसके टीवी कवरेज पर आपत्ति व्यक्त की गई। अलग- अलग पार्टियां चुनाव आयोग के पास गई भी। प्रधानमंत्री या कोई नेता चुनाव प्रचार के बाद या बीच में किसी धर्मस्थल या प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल पर जाएं, वहां पूजा, प्रार्थना, ध्यान या अन्य साधना करें उस पर चुनाव आयोग या कोई भी संवैधानिक संस्था कैसे रोक लगा सकती है? विपक्ष के नेताओं ने भी पूरे चुनाव में परिश्रम किया है और उन्हें भी ध्यान साधना और शारीरिक, मानसिक संतुलन व शांति के लिए पहले से ऐसी कुछ योजना बनानी चाहिए थी। भारत में अनेक ऐसे धार्मिक साधना स्थल हैं जहां जाकर आप शारीरिक-मानसिक थकान से आध्यात्मिक कृतियों के द्वारा मुक्ति पा सकते हैं। ऐसी जगह भी है जहां जाकर एक दो दिनों के विश्राम से आपको विशेष शांति और शक्ति मिलती है। अगर विपक्ष के नेताओं में ऐसी दृष्टि नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं कि प्रधानमंत्री या कोई भी सत्तारूढ़ पार्टी का नेता उस दिशा में न सोचें न करें। राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, प्रियंका वाड्रा, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, शरद पवार सभी चाहें तो कहीं न कहीं ऐसी साधना कर सकते थे और उन्हें भी टेलीविजन या मीडिया का कवरेज मिलता। नेताओं में वाकई ध्यान और साधना की प्रतिस्पर्धा हो तो यह देश और संपूर्ण मानवता के लिए कल्याणकारी होगा। जब आध्यात्मिक दृष्टि से आपके शरीर और मन के बीच संतुलन स्थापित होता है तो उसके साथ सकारात्मक दृष्टि भी विकसित होती है जहां से केवल सबके कल्याण के भाव से ही विचार पैदा हो सकते हैं। जब 2014 का चुनाव प्रचार समाप्त हुआ तब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने शिवाजी के रायगढ़ किले में जाकर ध्यान किया था। शिवाजी हमारे देश में भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व की दृष्टि से प्रेरक और आदर्श व्यक्तित्व हैं। शिवाजी जैसे महापुरु ष के प्रति अगर विपक्ष के अंदर ऐसा भाव पैदा नहीं होता तो इसके लिए वही दोषी हैं। 2019 के चुनाव प्रचार की समाप्ति के बाद प्रधानमंत्री उत्तराखंड के केदारनाथ गए थे और वहां उन्होंने गुफा में ध्यान और साधना की। यह मान लेना कि इस प्रकार की ध्यान साधना या पूजा पाठ के मीडिया कवरेज के प्रभाव में आकर पहले से किसी और को मत देने का मन बनाए मतदाता अचानक पलट कर भाजपा को वोट देने लगेंगे उचित नहीं लगता। मतदाताओं के पास भी सही गलत का निर्णय करने का विवेक है। विपक्ष इसे प्रधानमंत्री मोदी के मतदाताओं को आकर्षित करने की रणनीति मानता था तो उसे भी इसकी काट में रणनीति अपनानी चाहिए। विरोधियों ने प्रधानमंत्री की ध्यान साधना को राजनीतिक मुद्दा बना दिया। किसी भी देश का शीर्ष ध्यान साधना या अपने आध्यात्मिक कर्मकांड या फिर छुट्टियां मनाने जाएगा तो उसे मीडिया का कवरेज मिलेगा। यह भी सच है कि प्रधानमंत्री को जितना कवरेज मिलेगा उतना किसी अन्य नेता को नहीं मिल सकता, लेकिन दूसरे नेता अपना कार्यक्रम इतने ही प्रेरणादायी व सकारात्मक बनाएं तो मीडिया उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता। वैसे भी विरोधियों ने प्रधानमंत्री मोदी को खलनायक साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उत्तर प्रदेश में जब से योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने हैं उनके प्रति भी विरोधियों का रवैया यही है। स्वयं प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले केवल मोदी बोलते थे अब उसमें योगी को जोड़ दिया। योगी समर्थक यह बोलते हैं कि विरोधियों को उनके भगवा वस्त्र से, अपराधियों के विरु द्ध कार्रवाई से या हिंदुत्व के प्रति प्रखरता से समस्या है तो इसका जवाब उनके पास नहीं होता।

बंगाल में राज्य प्रायोजित हिंसा एक बदनुमा दाग की तरह है

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, लोगों में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यही वजह है कि कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने की मांग की गई है। याचिका में मांग की गई है कि पुलिस को निर्देश दिए जाएं कि वे विपक्षी कार्यकर्ताओं को हिंसा से बचाने के लिए सुरक्षा दें। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव बाद की हिंसा पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई एवं ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनाव के बाद एवं लोकसभा चुनाव के प्रचार दौरान तृणमूल कांग्रेस ने व्यापक हिंसा, आतंक एवं अराजकता का माहौल बनाया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह के हिंसक हमले कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है। ममता बनर्जी ने चुनाव के महापर्व को हिंसक बना दिया था, उसने एवं उसके कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं से, हिन्दुओं से, हिन्दू मन्दिरों-भगवानों-संतों एवं हिन्दू पर्वों से नफरत का बिगुल हर मोड़ पर बजाया है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का सिलसिला चुनाव के पहले ही कायम हो गया था। राज्य में हिंसा की अनेक घटनाएं चुनाव के दौरान भी देखने को मिलीं और अब चुनाव समाप्त हो जाने के बाद भी देखने को मिल रही हैं, जिनमें ग्यारह लोगों की मौत होना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसका सीधा अर्थ है कि यह हिंसा तृणमूल कांग्रेस नेताओं के इशारे पर हो रही है। हैरानी नहीं कि अराजक तत्वों को बंगाल पुलिस का मौन समर्थन हासिल हो।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने 'आतंक का राज' फैला दिया है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोधी दलों और विशेष रूप से भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं। ऐसा तब हो रहा है, जब चुनाव आयोग के निर्देश पर बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती 19 जून तक बढ़ा दी गई है। ऐसा चुनाव बाद हिंसा की प्रबल आशंका को देखते हुए किया गया था। यह आश्चर्यजनक है कि बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की चार सौ कंपनियां तैनात हैं और फिर भी वहां व्यापक हिंसा हो रही है। इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस हिंसा को कितने नियोजित ढंग से अंजाम दे रही है। इस हिंसा एवं अराजकता के बढ़ने के प्रबल आसार इसलिए हैं, क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर जो हिंसा हुई थी, लोकसभा चुनाव में भी हिंसा हुई, पूर्व के अन्य चुनावों में भी हिंसा का बोलबाला रहा है। ऐसी स्थितियों में बंगाल में लोकतंत्र की भावना एवं मर्यादा का खुला हनन हो रहा है। इतनी व्यापक हिंसा बंगाल पुलिस के मूकदर्शक बने रहने एवं उसके सहयोग के बिना अंसभव है। इसी के चलते तमाम भाजपा कार्यकर्ता और उसके समर्थकों की हत्या की गई थी। पूर्व की हिंसा एवं आतंक के समय ऐसा माहौल बनाया गया था कि कई लोगों को अपना घर-बार छोड़कर पलायन करते हुए पड़ोसी राज्य असम में शरण लेनी पड़ी थी। इन जटिल होती स्थितियों को देखते हुए न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जो एक लोकतांत्रिक सरकार के लिये लज्जाजनक है।

पश्चिमी बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रक्रिया बन गयी है। 2021 में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सीबीआइ को हिंसक घटनाओं की जांच करने को कहा था। इस जांच के दौरान तृणमूल कांग्रेस के अनेक नेताओं को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि यह कार्रवाई भी तृणमूल कांग्रेस के अराजक तत्वों के दुस्साहस का दमन नहीं कर सकी। इसका प्रमाण 2023 में पंचायत चुनाव के दौरान हुई भीषण हिंसा से मिला था, जिसमें 40 से अधिक लोगों की जान गई थी। इस लोकसभा चुनाव में भी हिंसा के चलते कई लोगों की जान जा चुकी है। यह ठीक है कि चुनाव बाद हिंसा पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए यहां तक कहा कि यदि राज्य सरकार हिंसा पर लगाम नहीं लगा सकती तो केंद्रीय सुरक्षा बलों को बंगाल में पांच साल तक तैनात करने का आदेश देना पड़ सकता है। उच्च न्यायालय की इस कठोर टिप्पणी के बाद भी ममता सरकार की सेहत पर शायद ही कोई असर पड़े, क्योंकि वह सारा दोष विरोधी दलों पर मढ़ देती है। वास्तव में जब तक बंगाल में हिंसा के लिए ममता सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक राज्य के हालात सुधरने वाले नहीं हैं।

ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। चुनावों में जितनी हिंसा बंगाल में हुई, उतनी अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिली। बंगाल का लोकतंत्र तानाशाही मानसिकता से गुजर रहा है। इन स्थितियों से तो यही लगता है कि राजनीतिक वोट बैंक के लिए ममता संविधान एवं सुरक्षा-व्यवस्था की जितनी अवमानना कर सकती है, उसने की है और आगे भी वह करती रहेगी। चुनावों में ऐसी हिंसक एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियां लोकतंत्र पर एक धुंधलका है, जिस पर नियंत्रण जरूरी है।

लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों के परिणामों ने पूरे देश को चौंकाया है उनमें पश्चिम बंगाल भी शुमार है। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम इसलिये भी आश्चर्य में डाल रहे हैं कि वहां तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ व्यापक नाराजगी थी, ममता सरकार के कई मंत्रियों और विधायकों पर घोटाले के आरोप लगे थे, संदेशखाली की महिलाओं पर हुआ अत्याचार देश भर में बड़ा मुद्दा बन गया था, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के इर्दगिर्द ईडी का शिकंजा कसा हुआ था, ममता बनर्जी को सनातन विरोधी बताया जा रहा था, तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने चुनावों से ऐन पहले पाला बदल लिया था, तृणमूल कांग्रेस पर हिंसक एवं अराजक होने का तगमा लगा था, बावजूद ममता जीती। देखा जाये तो ममता बनर्जी की छवि जुझारू एवं कद्दावर नेता की रही है और वह अपनी पार्टी को जिताने के लिए जी-जान लगा देती हैं। चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर होने वाले राजनीतिक हमलों को वह अपने पक्ष में मोड़ लेने में माहिर हैं। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन के तमाम नेताओं ने विभिन्न राज्यों में सीटों का बंटवारा कर आपस में समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा लेकिन ममता बनर्जी ने बंगाल में अकेले ही सारी चुनौती झेली। वह अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है?

ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। मुद्दा चाहे रामनवमी पर हिंसा का हो या संदेशखाली में हिन्दू महिलाओं के साथ अत्याचारों का या साधु-संतों को डराने-धमकाने का। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है। बंगाल में तो भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, हिंसा की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगल रहा है। ममता अपनी जातियों, गुरुपों और वोट बैंक को मजबूत कर रही हैं-- देश को नहीं। दुनिया के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी। बंगाल में आम जनजीवन की सार्थकता ही नष्ट हो रही है।

महाराष्ट्र में हुए राजनीतिक उलटफेर ने शरद पवार को एक बार फिर राजनीति का असल चाणक्य साबित कर दिया है

नीरज कुमार दुबे

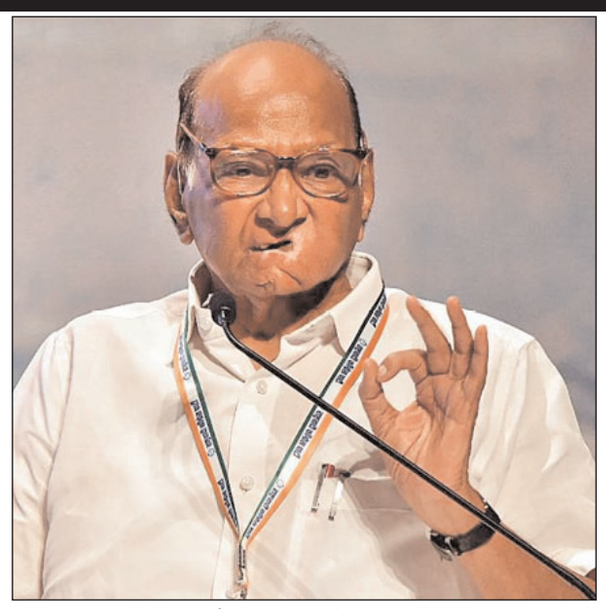

लोकसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में हुए विभाजन ने भारतीय जनता पार्टी की स्थिति मजबूत कर दी थी। शिवसेना और एनसीपी के गुटों के भाजपा के साथ आने से जहां वर्तमान महायुति सरकार की स्थिति मजबूत हो गयी थी वहीं राजनीतिक रूप से उद्धव ठाकरे और शरद पवार के लिए सबसे बड़ा झटका यह था कि उनकी अपनी पार्टी का असल नाम और चुनाव चिह्न उनके हाथ से चला गया था। इसके अलावा जिस तरह अशोक चव्हाण, बाबा सिद्दीकी, गोविंदा, मिलिंद देवड़ा और संजय निरूपम ने चुनावों से पहले कांग्रेस का साथ छोड़ा उससे पार्टी का भविष्य खतरे में नजर आ रहा था। साथ ही जिस तरह कांग्रेस-शिवसेना यूबीटी और एनसीपी शरद चंद्र पवार के गठबंधन महाविकास अघाड़ी यानि एमवीए में सीटों के बंटवारे के दौरान तनातनी देखी जा रही थी उससे भी इसके चुनावी प्रदर्शन को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन लोकसभा चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि एमवीए ने चमत्कार कर दिया है। परिणाम यह भी दर्शा रहे हैं कि जनता ने इस बात का फैसला कर दिया है कि असली शिवसेना और असली एनसीपी कौन-सी है।

शरद पवार फिर चाणक्य साबित हुए- सवाल उठता है कि यह सब आखिर हुआ कैसे? जवाब यह है कि इस प्रदर्शन का असली श्रेय वरिष्ठ नेता शरद पवार को जाता है। उन्होंने सबसे पहले वामदलों समेत राज्य की सभी छोटी पार्टियों और संगठनों को एकजुट कर अपनी ताकत बढ़ाई और वोटों का बंटवारा रोका। इसके अलावा शरद पवार ने बिना थके प्रचार किया और इस बात को मतदाताओं के मन में बिठाने में सफल रहे कि यदि भाजपा फिर से आ गयी तो संविधान और आरक्षण को खत्म कर देगी। जब सीटों के बंटवारे पर एमवीए के घटक दल आपस में भिड़े हुए थे तब भी शरद पवार ने ही बीच बचाव करके सबके बीच सहमति बनवायी। प्रचार के मध्य में ही लगने लगा था कि शरद पवार ने भाजपा को आक्रामक की बजाय रक्षात्मक मुद्रा अपनाने पर मजबूर कर दिया है।

किसानों की समस्याएं- इसके अलावा महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में सूखे की समस्या ने सत्तारुढ़ गठबंधन की चुनौती बढ़ा दी। किसानों की नाराजगी महायुति की हार का एक प्रमुख कारण है। एमवीए ने इस बात को मुद्दा बनाया कि कृषि लागत बढ़ रही है लेकिन किसानों को राहत नहीं मिल रही है। किसानों पर बढ़ता कर्ज और इंडिया गठबंधन की ओर से किया गया कर्ज माफी का वादा महाराष्ट्र में भी काम कर गया। महाराष्ट्र देश में सर्वाधिक प्याज का उत्पादन करता है और प्याज से होने वाली आय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। लेकिन हाल ही में जिस तरह भारत सरकार ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था उससे किसानों को काफी नुकसान हुआ। चुनावों के दौरान शुरुआत में देखा गया था कि प्याज उत्पादक अधिकतर गांवों में सत्तारुढ़ गठबंधन के उम्मीदवारों को घुसने नहीं दिया जा रहा था। यहां तक कि मोदी सरकार की कृषि और किसान कल्याण संबंधी योजनाओं को भी लोग नाकाफी मान रहे थे। इसके अलावा कृषि उपकरणों तथा अन्य वस्तुओं पर जीएसटी की दर ज्यादा होने का नुकसान भी सत्तारुढ़ गठबंधन को उठाना पड़ा है।

मराठा आरक्षण आंदोलन- महाराष्ट्र में हाल ही में प्रदेशव्यापी मराठा आरक्षण आंदोलन देखने को मिला था। कई जगह इसके चलते हिंसा भी हुई थी। मराठाओं की मांग थी कि उन्हें ओबीसी में शामिल कर आरक्षण दिया जाये। महाराष्ट्र की सभी पार्टियों ने इसका खुलकर समर्थन किया था। भाजपा पर आरोप लगे थे कि वह इस मामले में टालमटोल का रवैया अपना रही है। इससे मराठाओं के बीच पार्टी को लेकर नाराजगी उभरने की खबरें आईं।

भाजपा के बड़े वादे- भाजपा ने इस साल की शुरुआत में राम मंदिर का निर्माण और सीएए के नियम बनाने जैसे बड़े वादे पूरे कर दिये। राम मंदिर बनने की खुशी में देश के अन्य भागों की तरह महाराष्ट्र में भी चारों ओर उत्सव हुए लेकिन यह लहर जल्द ही खत्म भी हो गयी। कहा जा सकता है कि जनवरी में जिस तरह का माहौल था वह अप्रैल-मई आते-आते पूरी तरह खत्म हो गया और स्थानीय तथा अन्य मुद्दे चुनावों पर हावी हो गये। साथ ही लोगों ने सीएए और यूसीसी को आधार नहीं मानते हुए भी मतदान किया जोकि भाजपा के खिलाफचला गया।

दलों में विभाजन- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना में जिस तरह विभाजन हुआ उससे महाराष्ट्र की सियासत पर बड़ा असर पड़ा। बाला साहेब ठाकरे द्वारा बनाई गयी शिवसेना को एकनाथ शिंदे ले गये और शरद पवार द्वारा गठित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को अजित पवार ले गये। मामला चुनाव आयोग और उच्चतम न्यायालय तक गया लेकिन ज्यादातर जनप्रतिनिधि और पार्टी के पदाधिकारी चूंकि शिंदे और अजित पवार के साथ थे इसलिए शिवसेना शिंदे की हो गयी और एनसीपी अजित पवार की हो गयी। इससे आहत उद्धव ठाकरे और शरद पवार जनता की अदालत में गये और अपने साथ धोखा करने वालों को सबक सिखाने का आग्रह किया। जनता ने दोनों नेताओं की बात सुन कर फैसला सुना दिया। शरद पवार के पास नया चुनाव चिह्न होने के बावजूद वह आठ सीटें जीतने में सफल रहे तो वहीं दूसरी ओर चिर-परिचित घड़ी चुनाव चिह्न साथ होने के बावजूद अजित पवार मात्र एक सीट जीत पाये। यही हाल एकनाथ शिंदे की शिवसेना का भी रहा। जहां उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 9 सीटें मिलीं वहीं शिंदे की शिवसेना मात्र 7 सीटों पर ही विजयी रही। शिंदे हालांकि अपने गढ़ ठाणे और कल्याण में अपनी ताकत दिखाने में सफल रहे।

कांग्रेस का उभार- महाराष्ट्र में कांग्रेस का इतना बड़ा उभार वाकई आश्चर्यजनक है। महाराष्ट्र में जिस तरह कांग्रेस पार्टी लगातार चुनाव हार रही थी और उसके नेता उसे छोड़ कर जा रहे थे, ऐसे में कांग्रेस का फिर से राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनना उसके भविष्य के लिए अच्छा संकेत है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेताओं ने एकजुटता के साथ चुनाव प्रचार किया। इसके अलावा, कई वरिष्ठ नेताओं के बेटे-बेटियों को मैदान में उतारा गया तो अब तक घर बैठे वरिष्ठ नेता भी सक्रिय हो गये। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान महाराष्ट्र का काफी दौरा किया था जिसका चुनावों पर प्रभाव पड़ा। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में सघन चुनाव प्रचार भी किया। कांग्रेस के घोषणापत्र में किये गये वादों को जिस तरह विदर्भ और उत्तर महाराष्ट्र क्षेत्र की जनता ने समर्थन दिया है वह दर्शाता है कि लोग तत्काल प्रभाव से राहत चाहते हैं। इसके अलावा मुस्लिम मतदाताओं ने एकजुटता के साथ कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है जिससे पार्टी अच्छा प्रदर्शन कर पाई है।

वीबीए का पतन- प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाडी (वीबीए) ने एमवीए के साथ गठबंधन के लिए कई दौर की बातचीत के बाद आखिरकार अलग रास्ता अख्तियार कर लिया था। 2019 में इस पार्टी का प्रदर्शन अच्छा रहा था और यह कई जगह कांग्रेस की हार कारण बनी थी। लेकिन 2024 में इस पार्टी को जनता का समर्थन नहीं मिला, यहां तक कि अपने क्षेत्र में प्रकाश अंबेडकर भी चुनाव हार गये। वीबीए ना तो कांग्रेस का नुकसान कर पाई ना ही दलित राजनीति के केंद्र वाला राजनीतिक दल बन पाई।

बहरहाल, महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव परिणाम का साइड इफेक्ट सत्तारुढ़ गठबंधन के बीच दिखने लगा है। भाजपा की हार के कारणों की जिम्मेदारी लेते हुए देवेंद्र फडणवीस ने इस्तीफा देने की पेशकश की है। हालांकि भाजपा और आरएसएस के लोगों ने उन्हें मना लिया है। दूसरी ओर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट के कई विधायकों के शरद पवार के साथ जाने की चर्चा जोर पकड़ रही है। उधर, एकनाथ शिंदे की शिवसेना के भीतर भी असंतोष की संभावना व्यक्त की जा रही है। चूंकि इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव होने हैं इसलिए देखना होगा कि राज्य की राजनीतिक परिस्थितियां क्या नई करवट लेती हैं।

डेंगू और वायरल बुखार के लक्षणों में क्या अंतर होता है?

बरसात का मौसम खत्म होने के बाद इ ही देश में डेंगू बुखार का कहर शुरू हो गया है। इन दिनों देश की राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में डेंगू बुखार का प्रकोप तेजी से बढ़ा है। डेंगू के बीच मौसम में बदलाव की वजह से वायरल इन्फेक्शन और वायरल फीवर के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। डेंगू और वायरल दोनों ही परेशानी में मरीज को तेज बुखार आता है और इसकी वजह से मरीज अक्सर कंफ्यूज हो जाते हैं। बुखार आने पर डेंगू और वायरल फीवर में अंतर कर पाना मरीजों के लिए बड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कई बार मरीज गलत दवाओं का सेवन भी कर बैठते हैं।

डेंगू और वायरल फीवर में अंतर

डेंगू और वायरल फीवर की समस्या में बुखार, मांसपेशियों में दर्द और इन्फेक्शन लगभग समान ही होते हैं। डेंगू बुखार एडीज मच्छरों के काटने से होता है और वायरल फीवर वायरस के इन्फेक्शन से होता है। मौसम में बदलाव होने की वजह से कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग अक्सर इसका शिकार हो जाते हैं। वायरल फीवर की समस्या आमतौर पर 5 से 7 दिनों में अपने आप ही ठीक हो जाती है। वहीं डेंगू बुखार को ठीक होने इससे ज्यादा समय लगता है।

डेंगू और वायरल फीवर के लक्षणों में अंतर

डेंगू और वायरल फीवर के लक्षण भले ही समान दिखते हैं, लेकिन इन दोनों में बहुत अंतर होते हैं। डेंगू बुखार आपको डेंगू फैलाने वाले मच्छरों (एडीज) के काटने से होता है। वहीं वायरल फीवर का संक्रमण संक्रमित व्यक्ति के माध्यम से हवा में फैल सकता है। अगर आप वायरल फीवर से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आते हैं, तो उस व्यक्ति के खांसने, छींकने और नाक से निकलने वाले ड्रापलेट्स की वजह से आप संक्रमित हो सकते हैं। डेंगू बुखार में ऐसा नहीं होता है।

- डेंगू फीवर में प्लेटलेट काउंट कम हो सकता है, एल्किन वायरल फीवर में प्लेटलेट काउंट पर असर नहीं पड़ता है।
- डेंगू में मरीज को बुखार बहुत तेज आता है जिसे ब्रेक बोन फीवर भी कहते हैं, वायरल फीवर में मरीज को बीच-बीच में बुखार आता है।
- डेंगू के मरीज के पाचन तंत्र पर भी बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से उल्टी और डायरिया हो सकती है, वहीं वायरल फीवर में मरीज को ऐसी समस्या नहीं होती है।
- डेंगू के मरीज का ब्लड प्रेशर भी लो हो सकता है लेकिन वायरल फीवर में ब्लड प्रेशर पर कोई फर्क नहीं पड़ता है।
- डेंगू के मरीजों के स्किन पर लाल रंग के रैशेज या चकत्ते पड़ सकते हैं, वहीं वायरल फीवर में ऐसा कोई लक्षण देखने को नहीं मिलता है।
- डेंगू बुखार एक से दो सप्ताह तक बना रह सकता है, लेकिन वायरल फीवर 4 से 5 दिन में ठीक हो जाता है।

दांतों में इन्फेक्शन क्यों होता है? इस तरह करें बचाव

दांत और ओरल हेल्थ का सही ढंग से ध्यान न रखने के कारण आप कई गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। मुंह के माध्यम से आपके शरीर में कई तरह के बैक्टीरिया पहुंचते हैं, जो सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए मुंह और दांतों की सही ढंग से साफ-सफाई करना जरूरी माना जाता है। दांत में इन्फेक्शन या संक्रमण भी सही ढंग से साफ-सफाई न करने के कारण होता है। इस समस्या में आपको कई गंभीर परेशानियां हो सकती हैं। हाल ही में हुए एक शोध के मुताबिक अगर आप लंबे समय से दांतों के इन्फेक्शन से परेशान हैं, तो इसकी वजह से आपको हार्ट अटैक या दिल का दौरा भी पड़ सकता है।

दांतों में इन्फेक्शन क्यों होता है

मुंह में भोजन, पानी, लार और अन्य चीजों के जरिए कई ऐसे बैक्टीरिया चले जाते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक माने जाते हैं। इन खतरनाक बैक्टीरिया की वजह से आपको ओरल हेल्थ से जुड़ी कई परेशानियां हो सकती हैं और इसके अलावा शरीर के आंतरिक अंगों को भी नुकसान पहुंचता है। दांतों में इन्फेक्शन भी ज्यादातर मामलों में इन्हीं बैक्टीरिया के कारण होता है। अलग-अलग लोगों में दांतों का इन्फेक्शन अलग-अलग कारणों से होता है और इसका सही समय पर इलाज न होने से समस्या और बढ़ जाती है।

- दांतों की उचित साफ-सफाई न होना
- मिठाई, सोडा आदि का अधिक सेवन
- मुहं सूखा रहना
- दांतों का पुराना दर्द
- दांतों के हिलने की समस्या
- बैक्टीरियल इन्फेक्शन
- दांत से जुड़ी बीमारी

दांतों में संक्रमण के लक्षण

दांतों में संक्रमण होने पर आपके दांतों में दर्द, सड़न, कैविटी और खाने-पीने में दिक्कत हो सकती है। इसके अलावा आपको दांतों में संक्रमण की वजह से पूरे ओरल हेल्थ पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। दांतों में संक्रमण होने पर दिखने वाले कुछ प्रमुख लक्षण इस तरह से हैं-

- दांतों में सड़न
- दांत में दर्द
- दांतों से पानी आना
- दांतों में काली पपड़ी बनना
- मसूड़ों में सूजन आना
- लगातार सिर दर्द होना,
- जबड़े में दर्द
- मुंह में सूजन

दांतों के संक्रमण से कैसे बचें

दांतों की जड़ों में संक्रमण को एपिकल पीरियडोंटाइटिस की बीमारी भी कहते हैं। इस समस्या में लक्षण दिखते ही सबसे पहले डॉक्टर को दिखाना चाहिए। सही समय पर डॉक्टर की सलाह लेकर इलाज कराने से आप गंभीर नुकसान से बच सकते हैं। सही समय पर इलाज न लेने से यह समस्या बढ़ जाती है और इससे आपके दांतों को गंभीर नुकसान होता है। ज्यादा समय तक दांतों में संक्रमण बने रहने के कारण आपके दांत टूटकर गिर भी सकते हैं।

अस्थमा के मरीज न करें इन चीजों का सेवन, बढ़ सकती है परेशानी

कई ऐसी स्वास्थ्य समस्याएं हैं, जो काफी ज्यादा बढ़ जाती हैं। अस्थमा के मरीजों की समस्या बहुत बढ़ जाती है। मौसम में ठंडक और सर्द हवाओं की वजह से व्यक्ति को सांस लेने में परेशानी होती है। इसके अलावा, धुएं और प्रदूषण की वजह से भी सांस से संबंधित समस्याएं बढ़ जाती हैं। इस मौसम में अस्थमा के मरीजों की सांस की नलियों में सूजन हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है। इस मैसम में सर्दी-खांसी और फ्लू का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में अस्थमा के मरीजों को अपने खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए। सर्दियों में अस्थमा के मरीजों को कुछ हेल्दी चीजों का सेवन करना चाहिए, जिससे इसे कंट्रोल किया जा सके। वहीं, अस्थमा में कुछ चीजों से परहेज करना चाहिए, वरना यह समस्या और ज्यादा बढ़ सकती है।

ठंडी और खट्टी चीजें

अस्थमा के मरीजों को ठंडी और खट्टी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। जैसे आइसक्रीम, ठंडा पानी, नींबू, अचार, दही आदि। इन चीजों का सेवन करने से अस्थमा के लक्षण और बिगड़ सकते हैं। ठंडी और खट्टी चीजों का सेवन करने से खांसी की समस्या बढ़ सकती है, जिससे अस्थमा अटैक भी ट्रिगर हो सकता है। इन सभी चीजों से अस्थमा के मरीजों को परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

अधिकतर लोग सर्दियों में चाय-कॉफी का सेवन करते हैं। सर्दियों के मौसम में एक कप गर्मागरम चाय या कॉफी से शरीर को गर्माहट मिलती है। लेकिन, अस्थमा के मरीजों को चाय या कॉफी का ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए। ज्यादा चाय या कॉफी पीने से अस्थमा के मरीजों की परेशानी अधिक बढ़ सकती है। दरअसल, चाय-कॉफी पीने से गैस की समस्या हो सकती है, जिससे अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ जाता है। बेहतर होगा कि अस्थमा के मरीज इन चीजों का ज्यादा सेवन ना करें।

फ्राइड और प्रोसेस्ड फूड

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में समय की कमी के कारण ज्यादातर लोग प्रोसेस्ड और पैक्ड फूड खाते हैं। इसके अलावा, हम में ज्यादातर लोग आए दिन जंक फूड का सेवन भी करते हैं। लेकिन, प्रोसेस्ड और जंक फूड का ज्यादा सेवन करने से अस्थमा की समस्या अधिक बढ़ सकती है। ब्रेड, पास्ता और बिस्कुट जैसी चीजों में अधिक मात्रा में रिफाइंड कार्बोहायड्रेट होता है, जो अस्थमा के मरीजों के लिए नुकसानदायक होता है। अस्थमा के मरीजों को इस तरह की चीजें खाने से बचना चाहिए।

दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स

वैसे तो दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स हमारी सेहत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। लेकिन, अस्थमा के मरीजों को दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करने से बचना चाहिए। दरअसल, दूध पीने से शरीर में अधिक मात्रा में बलगम बनता है, जिससे सांस लेने में परेशानी हो सकती है। ऐसे में, अस्थमा के मरीजों को दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करने से उनकी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

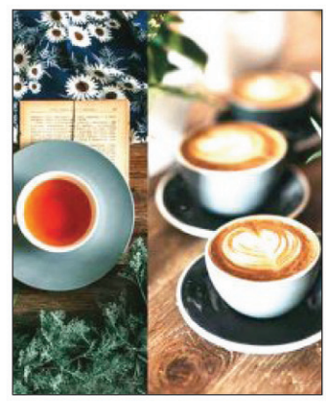

प्रिजर्वेटिव

अस्थमा के मरीजों को ऐसी चीजें खाने से परहेज करना चाहिए, जिनमें सल्फाइट जैसे प्रिजर्वेटिव का इस्तेमाल हुआ हो। अचार, पैक्ड जूस या ड्राई फ्रूट्स जैसी चीजों में सल्फाइट होता है, ताकि ये चीजें लंबे समय तक खराब ना हों। लेकिन, अस्थमा के मरीजों के लिए सल्फाइट बहुत नुकसानदायक होता है। सल्फाइट युक्त चीजों का अधिक सेवन करने से अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ सकता है। अस्थमा के लक्षणों को कंट्रोल करने के लिए सल्फाइट युक्त चीजों का सेवन कम से कम करें।

चेहरे पर इन तरीकों से इस्तेमाल करें अनार, मिलेगी निखरी और बेदाग त्वचा

अनार खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में तो आपने कई बार पढ़ा-सुना होगा। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि आप अनार को अपने स्किन केयर रूटीन में भी शामिल कर सकते हैं। जी हां, अनार हमारी स्किन के लिए भी बहुत लाभकारी होता है। अनार ना सिर्फ शरीर में खून बढ़ाता है, बल्कि त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है, जो त्वचा में कोलेजन के उत्पादन में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। अनार में मौजूद तत्व त्वचा को अंदर से हेल्दी रखने में मदद करते हैं। ये त्वचा को साफ करके पिंपल्स और पिगमेंटेशन की समस्या को दूर करता है। अनार के इस्तेमाल से आप हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा पा सकते हैं। स्किन के लिए अनार का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है।

अनार से बनाएं क्लींजर : स्किन के लिए अनार एक नेचुरल क्लींजर का काम करता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो त्वचा पर बैक्टीरिया को पनपने से रोकते हैं। ये चेहरे पर पिंपल्स और फुंसी की समस्या दूर होती है। इसके साथ ही यह त्वचा की जलन को कम करने में भी मदद करता है। चेहरे के एक्ने से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अनार को पीसकर, इसमें एलोवेरा जेल मिलाएं। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर क्लींजर की तरह इस्तेमाल करें। इसका इस्तेमाल हफ्ते में दो-तीन बार करें, पिंपल्स और पिंपल्स के निशान दूर करने में मदद मिलेगी।

अनार से बनाएं स्क्रब : आप अनार को स्क्रब की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए अनार के दानों को दरदरा पीस लें। अब इसमें चावल का आटा मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें।

इसे अपने चेहरे पर लगाकर, हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में स्क्रब करें। इसके बाद चेहरे को पानी से धो लें। इस स्क्रब के इस्तेमाल से आपकी स्किन एक्सफोलिएट होगी और चेहरा साफ-बेदाग नजर आएगा।

अनार से बनाएं फेस पैक : चेहरे पर अनार लगाने से स्किन में कोलेजन बनाने में मदद मिलती है। इससे झुर्रियों की समस्या दूर होती है और त्वचा जवान बनाए रखने में मदद मिलती है। यूथफुल स्किन पाने के लिए अनार को शहद के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इसके लिए अनार को पीसकर इसका पेस्ट बना लें। इसमें एक चम्मच शहद मिलाकर, अपने चेहरे पर लगाएं। करीब 20 मिनट बाद पानी से चेहरे को धो लें। इस फेस पैक के इस्तेमाल से आपकी स्किन फ्रेश और निखरी हुई बनेगी।

अनार से बनाएं क्रीम

आप अनार से क्रीम बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे त्वचा को नमी मिलेगी और चेहरा खिला-खिला नजर आएगा। इस क्रीम के इस्तेमाल से आपके चेहरे पर गुलाबी निखार आएगा। अनार से क्रीम बनाने के लिए अनार को पीस लें। फिर इसमें ताजी मलाई मिलाकर, अपने चेहरे पर लगाएं। हालांकि, बहुत ज्यादा क्रीम ना लगाएं, वरना आपका चेहरा चिपचिपा लगने लगेगा।

शरीर की बढ़ती चर्बी से हैं परेशान तो इन तरीकों से करें कम

आजकल सब अपने शरीर को सुंदर और सुडौल दिखाने की भागदौड़ में लगे हुए है क्योंकि शरीर और पेट पर जमी हुई चर्बी ना ही आपके शरीर को नुक़सान पहुँचाती है बल्कि आप को कई बीमारियों से भी घेर लेती हैं। वहीं शरीर की चर्बी कम करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो सकता है, जिसमें अक्सर कड़ी मेहनत, धैर्य और समर्पण की आवश्यकता होती है। हालांकि कई आहार और वसा की खुराक त्वरित परिणाम का वादा करती है, लेकिन स्वस्थ वजन तक पहुंचने और बनाए रखने के लिए अपने आहार, जीवन शैली और व्यायाम दिनचर्या को संशोधित करना सबसे प्रभावी तरीका है।

दौड़ना

अक्सर देखा जाता है कि लोग बड़ी-बड़ी एक्सरसाइज़ के चक्कर में कुछ नैचुरल चीज़ करना ही भूल जाते हैं उनमें से एक दौड़ लगाना है जो कि व्यायाम का एक बेहतरीन प्रारूप भी साबित हो सकता है क्योंकि दौड़ लगाने से शरीर के अंदर का पसीना शरीर से बाहर आता है जिससे पेट की चर्बी और वजन पर भी धीरे-धीरे प्रभाव पड़ना शुरू हो जाता है। रोज़ यह एक्टिविटी करने से आप खुद ही शरीर मे बदलाव महसूस कर पाएंगे, क्योंकि यह व्यायाम न केवल आपके शरीर की वसा को कम करते हैं, बल्कि आपकी मांसपेशियों की सहनशक्ति को बढ़ाने और कैलोरी जलाने का भी काम करते हैं। अगर आप अच्छी प्रकार से दौड़ने का लक्ष्य रखे तो काफी हद तक फ़ैट बर्न करने में कामयाब हो सकते हैं। मांसपेशी सहनशक्ति में सुधार के साथ ऊर्जा का स्तर बढ़ाता है आपके मूड, अनुभूति, स्मृति और नींद में भी सुधार करता है।

चलना

चलना व्यायाम का ही एक सरल तरीका है जिससे आप आसानी से अपने शरीर के मोटापे को कम कर सकते हैं। यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ तनाव को कम करने में भी मदद करता है। दिनचर्या में इस प्रकिया को अपनाकर काफी बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकता हैं। रोज एक घंटा भी चलने को रूटीन में शामिल किया जाए तो शारीरिक गतिविधि को जटिल होने की आवश्यकता नहीं है। रोजाना वॉक को आप अपने लिए जितना आसान बनाएँगे यह आपको उतना ही स्वस्थ जीवन जीने में मदद करेगा। उदाहरण के लिए, नियमित रूप से तेज चलना आपके हृदय रोग, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, कैंसर और मधुमेह सहित विभिन्न स्थितियों की रोकथाम करता है। हड्डियों और मांसपेशियों को एकदम मजबूत बनाने में सहायक होता है।

सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार, सबसे व्यापक रूप से प्रचलित और बुनियादी योग आसनों में से एक है, वास्तव में शरीर के यह विभिन्न हिस्सों पर ध्यान केंद्रित करता है और वजन घटाने के साथ अद्भुत काम करता है। शब्द का शाब्दिक अर्थ सूर्य नमस्कार है और इसमें 12 अलग-अलग पोज़ की एक श्रृंखला भी शामिल की गई है, जिसमें प्रार्थना मुद्रा, आगे की ओर झुकना और भुजंगासन शामिल हैं। शरीर को सक्रिय रखने का एक शानदार तरीका होने के नाते, यह तनाव और चिंता को कम करने में भी मदद करता है। यदि आप आसन के दौरान सांस अंदर-बाहर करते रहते हैं तो यह आपको अधिक वजन कम करने में मदद करता है।

महिलाओं में इन कारणों से हो सकता है हार्मोनल असंतुलन

हार्मोन्स का हमारे शरीर में अहम रोल होता है। स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हार्मोन्स का संतुलन में रहना बहुत जरूरी होता है। जब किसी भी व्यक्ति में हार्मोन्स असंतुलित होते हैं, तो कई तरह की समस्याएं पैदा होने लगती हैं। पुरुषों और महिलाओं दोनों में हार्मोन्स असंतुलित हो सकते हैं। लेकिन इन दोनों में हार्मोन्स असंतुलित होने के लक्षण और कारण अलग-अलग हो सकते हैं। अगर किसी महिला में हार्मोन असंतुलित होते हैं, तो उसे थकान, वजन बढ़ना, पीसीओडी, सूजन, पसीना जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। महिलाओं को अपने जीवन के अलग-अलग पड़ाव पर हार्मोन असंतुलन का सामना करना पड़ता है। महिलाओं को मासिक धर्म, यौवन, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दिनों में हार्मोन असंतुलन हो सकता है। लेकिन इन दिनों में हार्मोन्स का असंतुलित होना सामान्य होता है। लेकिन आजकल कई महिलाओं को सामान्य दिनों में भी हार्मोन असंतुलन के लक्षणों से जूझना पड़ता है।

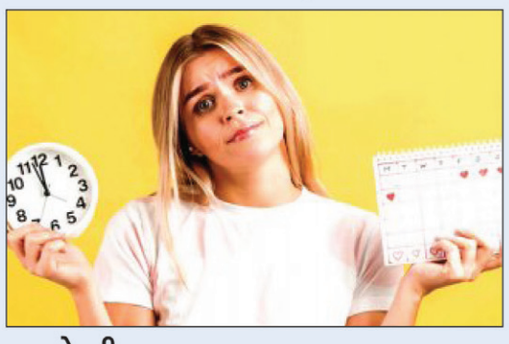

अनहेल्दी डाइट

खान-पान का हमारे हार्मोन्स पर सीधा असर पड़ता है। आजकल की अनहेल्दी डाइट की वजह से अधिकतर महिलाओं को हार्मोन असंतुलन का सामना करना पड़ रहा है। अगर आपके हार्मोन्स भी डिसबैलेंस हैं, तो आपको हेल्दी डाइट टिप्स ही फॉलो करने चाहिए।

तनाव में रहना

अगर आप अकसर ही तनाव में रहते हैं, तो आपको हार्मोन असंतुलन का सामना करना पड़ सकता है। तनाव महिलाओं में होने वाले हार्मोन असंतुलन का एक मुख्य कारण हो सकता है। इसलिए अगर आप तनाव में रहते हैं और हार्मोन असंतुलन के लक्षणों का भी अनुभव हो रहा है, तो स्ट्रेस फ्री रहने की पूरी कोशिश करें।

गर्भ निरोधक दवाइयां

गर्भ निरोधक दवाइयां भी महिलाओं में हार्मोन असंतुलन का कारण बन सकती हैं। अगर आपको गर्भ निरोधक दवाइयां लेने के बाद हार्मोन असंतुलन के लक्षण महसूस हो, तो इसके बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं। अपने हार्मोन्स को संतुलन में रखने के लिए आपको अधिक मात्रा में गर्भ निरोधक दवाइयां लेने से भी बचना चाहिए।

थायराइड

थायराइड महिलाओं में होने वाले हार्मोनल असंतुलन का एक मुख्य कारण हो सकता है। हापोथायरायडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म दोनों ही स्थितियां हार्मोन असंतुलन का कारण बन सकती हैं। इसलिए अगर आपको थायराइड है, तो अपने हार्मोन्स को संतुलन में रखने की पूरी कोशिश करें। अन्यथा आपकी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

आयोडीन की कमी

महिलाओं में आयोडीन की कमी होना भी हार्मोनल असंतुलन का कारण हो सकता है। जब किसी महिलाओं के शरीर में आयोडीन की कमी होती है, तो उसे हार्मोनल डिसबैलेंस के लक्षणों का अनुभव करना पड़ सकता है। इसलिए अपनी डाइट में पर्याप्त आयोडीन को शामिल करें।

इनएक्टिव लाइफस्टाइल

आजकल अधिकतर महिलाएं दोहरी जिंदगी जी रही हैं। ऐसे में वे फिजिकली एक्टिव नहीं रह पाती हैं। जब कोई महिला इनएक्टिव लाइफस्टाइल के साथ जीती है, तो उसे हार्मोनल असंतुलन का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अपने हार्मोन्स को संतुलन में रखने के लिए आपको अपनी जीवनशैली में एक्सरसाइज, योग आदि को जरूर शामिल करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए, इनमें भारत और अमेरिका भी शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं। इनमें भारत और अमेरिका में नेपाली कांग्रेस कोटे के तहत तैनात राजदूत भी शामिल हैं। ये फैसला नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने पार्टी से गठबंधन तोड़ने और केपी शर्मा ओली से हाथ मिलाने के तीन महीने बाद लिया है। द काठमांडू पोस्ट अखबार के मुताबिक उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ की आपत्तियों के बावजूद, नेपाल सरकार ने गुरुवार को राजदूतों को वापस बुला लिया। इनमें भारत में तैनात नेपाल के राजदूत शंकर शर्मा भी शामिल हैं। नेपाल सरकार ने यह कदम नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड की रविवार को भारत की संभावित यात्रा से पहले उठाया है। जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भारत आ सकते हैं। विदेश मंत्रालय के कई अधिकारियों ने अखबार को बताया कि सरकार का यह कदम बहुत से देशों को गैर-राजनयिक संदेश दे रहा है। नेपाल के एक मंत्री ने अखबार को बताया कि विदेश मंत्री श्रेष्ठ नेपाली कांग्रेस और अन्य दलों के कोटे से नियुक्त राजदूतों को वापस बुलाने के प्रस्ताव का विरोध कर रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री दहल और सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली ने मनमनाने तरीके से राजदूतों को वापस बुलाने का फैसला किया। वापस बुलाए गए राजदूतों में शंकर शर्मा (भारत), श्रीधर खत्री (अमेरिका), ज्ञान चंद्र आचार्य (यूनाइटेड किंगडम) और ज्योति पयाकुरेल भंडारी (दक्षिण कोरिया) के नाम शामिल हैं। इन्हें नेपाली कांग्रेस के कोटा के तहत तब नियुक्त किया गया था, जब पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने 2021 में सरकार का नेतृत्व किया था।

सिंध में बनाया जाए करतारपुर जैसा कॉरिडोर

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के पर्यटन मंत्री जुल्फिकार अली शाह ने भारत की सीमा से लगे सिंध प्रांत में करतारपुर जैसा धार्मिक कॉरिडोर खोलने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे हिंदू और जैन मतावलंबियों को देश में मौजूद अपने ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों की यात्रा करने में काफी आसानी होगी। वह दुबई में बुधवार सिंध प्रांत में पर्यटन को बढ़ावा देने संबंधी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि कॉरिडोर उमरकोट और नगरपारकर में बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में हिंदू और जैन मतावलंबी सिंध के धार्मिक स्थलों की यात्रा करना चाहते हैं। उमरकोट में ऐतिहासिक शिव मंदिर है, जिसे सिंध प्रांत के सबसे पुराने हिंदू मंदिरों में से एक माना जाता है। कई लोगों का मानना है कि इसका निर्माण दो हजार वर्ष पूर्व किया गया था। वहीं नगरपारकर में भी कई जैन मंदिर हैं। सिंध सरकार के प्रवक्ता ने भी पुष्टि की कि शाह ने विभागीय अधिकारियों के साथ इस संभावना पर चर्चा की थी। इसके साथ ही उन्होंने धार्मिक पर्यटकों की सुविधा के लिए भारत से सुक्कुर अथवा लरकाना के लिए साप्ताहिक उड़ान शुरू करने का भी प्रस्ताव रखा। पाकिस्तान सरकार ने नवंबर 2019 में करतारपुर कोरिडोर खोला था, पाकिस्तान-भारत सीमा से लगभग 4.1 किमी की दूरी पर है।

रूस की तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला

कीव , एजेंसी। यूक्रेनी ड्रोन ने रूसी सीमा क्षेत्रों में एक तेल रिफाइनरी और एक ईंधन डिपो पर हमला किया है। इसके साथ ही यूक्रेन ने यह भी दावा किया कि उसने मंगलवार रात रूस द्वारा यूक्रेन के क्षेत्रों को निशाना बनाने वाले 18 ड्रोन में से 17 को मार गिराया है। यूक्रेन रूस के हमलों को रोकने के लिए इन दिनों पश्चिमी देशों से समर्थन मांग रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इन दिनों फ्रांस में हैं। रोस्तोव के गवर्नर वासिली गोलूबेव ने कहा कि बुधवार रात भर हुए ड्रोन हमले में रूस के रोस्तोव क्षेत्र में नोवोशाख्तिंस्क रिफाइनरी पर हमला हुआ और आग लग गई। उन्होंने कहा कि हमले के कारण दमकलकर्मियों को थोड़ी देर के लिए बाहर निकलना पड़ा। केंद्र पर यूक्रेनी हमले से नुकसान का तत्काल आकलन नहीं हो सका है। कहा, इसमें किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

भीषण गर्मी से परेशान कपड़ा फैक्ट्री के कर्मचारी

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश में चार लाख से अधिक कपड़ा फैक्ट्री श्रमिकों समेत अलग-अलग कारखानों में काम करने वाले लोगों को अत्यधिक गर्मी के कारण अलग-अलग समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. इनमें से 60 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं हैं.संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस गर्मी में कारखानों, खासकर कपड़ा फैक्ट्री में काम करने वाले दो-तिहाई से अधिक श्रमिकों को अत्यधिक लू का सामना करना पड़ा. 22 साल की आयशा तलुकदार तनीसा ढाका में एक जींस फैक्ट्री में सिलाई का काम करती हैं. यह फैक्ट्री पश्चिमी ब्रांडों के लिए कपड़े बनाती है. बांग्लादेश के 70 साल के इतिहास में इतनी तीव्रता और लंबी अवधि की गर्मी कभी नहीं पड़ी. आयशा तलुकदार ने थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन से कहा, हममें से कुछ लड़कियां बीमार पड़ गई हैं.

गर्मी की वजह से उन्हें मिचली या बेहोशी आ जाती है गर्मी से उद्योग को नुकसान एड्रियन अर्ष्ट-रॉकफेलर फाउंडेशन रेसिलिएंस सेंटर द्वारा प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट के मुताबिक अत्यधिक गर्मी के प्रभाव से बांग्लादेश को सालाना 6 अरब डॉलर की श्रम उत्पादकता का नुकसान हो रहा है. अप्रैल में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया कि दुनियाभर में दो तिहाई से अधिक कर्मचारी काम के दौरान अत्यधिक गर्मी की चपेट में आ जाते हैं. बांग्लादेश इंस्टिट्यूट ऑफ लेबर स्टडीज के डिप्टी डायरेक्टर मनिरुल इस्लाम कहते हैं, गर्मी कपड़ा उद्योग के लिए एक गंभीर व्यावसायिक खतरा है इस्लाम ने 400 से अधिक श्रमिकों का सर्वेक्षण किया है और कहा कि गर्मी के असर के कारण सबसे गर्म महीनों के दौरान पांच में से एक श्रमिक को कम से कम एक बार बीमारी की छुट्टी पर जाना पड़ा.

उन्होंने बताया कि 32 प्रतिशत श्रमिकों ने कहा कि भीषण गर्मी के कारण उनकी कार्य क्षमता कम हो गई. काम पर गर्मी का असर कुछ प्रमुख कपड़ा निर्माता अपने श्रमिकों को गर्मी से बचाने के लिए कदम उठा रहे हैं, लेकिन श्रम अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि श्रमिकों के स्वास्थ्य की रक्षा और उनकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए सप्लायरों, ब्रांडों और सरकार से बहुत अधिक धन और प्रतिबद्धता की जरूरत है. सिर्फ फैक्ट्रियों को ठंडा रखने से श्रमिकों की सुरक्षा नहीं होती है. बांग्लादेश जैसे देश में श्रमिकों को अपने कार्यस्थलों तक पहुंचने के लिए चिलचिलाती धूप में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट के विकल्प कम हैं और कई लोग छोटे व तंग घरों में रहते हैं.

कार्यस्थलों पर इन श्रमिकों को ज्यादातर साझा रसोई, शौचालय और स्नानघर का इस्तेमाल करना पड़ता है. बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग में काम करने वाले श्रमिक औसतन 113 डॉलर (करीब 9400 रुपये) महीना कमाते हैं. इतनी सीमित आय के साथ महंगे एयर कंडीशनिंग सिस्टम और जनरेटर इन श्रमिकों की पहुंच से बहुत दूर हैं. गर्मी में बिजली कटौती बांग्लादेश की एक और समस्या है. ग्लोबल वर्कर डायलॉग (जीडब्ल्यूडी) के कार्यकारी निदेशक गाय स्टुअर्ट नियमित रूप से कारखाने के श्रमिकों की स्थितियों का सर्वेक्षण करते हैं. उनका कहना है कि कारखानों को ठंडा रखने से श्रमिकों को उनके आने-जाने के दौरान सुरक्षा नहीं मिलती, या घर पर जहां कई लोग छोटे, भीड़-भाड़ वाले घरों में रहते हैं. ऊर्जा प्रौद्योगिकी कंपनी ग्रिट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड में ऑपरेशन के प्रमुख रहे सुदीप पॉल ने कारखानों को जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद करने में वर्षों बिताए हैं. उन्होंने कहा कि सरल, सस्ते कदम बदलाव ला सकते हैं. पॉल ने कहा कि इसमें सुबह 8 बजे के बजाय 6 बजे शिफ्ट शुरू करना शामिल हो सकता है, ताकि कर्मचारी दोपहर की गर्मी के चरम पर पहुंचने से पहले लंच के लिए जा सकें, उन्हें घर वापस जाने के लिए हल्के सूती कपड़े और सफेद छतरियां उपलब्ध कराई जा सकें. उनका यह भी कहना है कि फैक्ट्रियों में कूलर भी लगाए जा सकते हैं जिससे गर्मी से बचाव किया जा सके. संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की पिछले महीने की रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लगभग 19,000 लोग अत्यधिक गर्मी के कारण कार्यस्थल पर होने वाली चोटों के कारण मर जाते हैं और अनुमान है कि 2.62 करोड़ लोग कार्यस्थल पर गर्मी के तनाव से जुड़े किडनी रोगों से पीड़ित हैं.

रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास 4 भारतीय मेडिकल छात्र डूबे, दो लड़के और दो लड़कियों की मौत

मॉस्को, एजेंसी। रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक नदी में चार भारतीय मेडिकल छात्र डूब गए और देश में भारतीय मिशन उनके शवों को जल्द से जल्द उनके रिश्तेदारों के पास भेजने के लिए रूसी अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। चारों छात्र - 18-20 वर्ष की आयु के दो लड़के और दो लड़कियाँ, वेलिकि नोवगोरोड शहर में पास के नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि वोल्खोव नदी पर समुद्र तट से बाहर निकली एक भारतीय छात्रा मुसीबत में फंस गई और उसके चार साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की।

उसे बचाने के प्रयास में तीन अन्य लोग भी नदी में डूब गये। तीसरे लड़के को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया। मॉस्को में भारतीय दूतावास ने एक्स को बताया, हम शवों को जल्द से जल्द रिश्तेदारों के पास भेजने के लिए काम कर रहे हैं। जिस छात्र की जान बचाई गई है, उसे उचित इलाज भी मुहैया कराया जा रहा है। सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि ये छात्र वेलिकि नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे। एक्स पर पोस्ट किया गया, शोक संतप्त परिवारों के प्रति सच्ची संवेदना।

ताइवान को चारों तरफ से घेरने की कोशिश कर रहा चीन

तैपेई। , एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच तनाव कम होने का नाम ही नहीं ले रहा। एक बार फिर छह चीनी सैन्य विमानों, छह नौसैनिक जहाजों और चार तटरक्षक जहाजों को ताइवान की सीमा के पास देखा गया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। एमएनडी के अनुसार, एक चीनी ड्रोन को ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) के दक्षिण-पश्चिम कोने में देखा गया था, जबकि एक पीएलए हेलीकॉप्टर को दक्षिणपूर्व एडीआईजेड में ट्रैक किया गया था।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की नजर रखने के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। इसके अलावा, ताइवान में लाइ चिंग के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद से चीन और ताइवान के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। चीन ने सितंबर 2020 से ताइवान के आसपास परिचालन करने वाले सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों की संख्या में बढ़ोतरी करके ग्रे जोन रणनीति का इस्तेमाल बढ़ा दिया है। ग्रे जोन युद्ध रणनीति दरअसल वह तरीका है,जिससे धीरे-धीरे दुश्मन को कमजोर कर दिया जाता है। ग्रे जोन रणनीति के हिसाब से कोई भी देश सीधा हमला नहीं करता है, लेकिन इस एक तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। ताइवान ने इस महीने अब तक चीन के 54 सैन्य विमानों और 62 नौसेना जहाजों को ट्रैक किया है। वहीं दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव में एनडीए के जीत हासिल करने के बाद ताइवान के राष्ट्रपति ने नरेंद्र मोदी को बधाई पोस्ट किया था। अब पोस्ट को लेकर चीन ने आपत्ति दर्ज कराई है।

पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में अहम बदलाव

सदन में सांसद कम से कम चार स्वदेशी भाषा में रख सकेंगे बात

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पंजाब असेंबली में संशोधन किए जाने के बाद सांसद अब सदन में अंग्रेजी और उर्दू के अलावा पंजाबी समेत कम से कम चार स्वदेशी भाषाओं में अपनी बात रख सकेंगे।

इन बोलियों की मिली अनुमतिन्न स्पीकर मलिक मोहम्मद अहमद खान की अगुवाई वाली पंजाब विधानसभा की एक विशेष समिति ने सांसदों को अंग्रेजी और उर्दू के अलावा पंजाबी, सरायकी, पोटोहारी और मेवाती में सांसदों को संबोधित करने की अनुमति देने वाले संशोधनों को गुरुवार को मंजूरी दे दी।

पहले लेनी होती थी अनुमति: पहले एक सांसद को अंग्रेजी और उर्दू के अलावा किसी और भाषा का इस्तेमाल करने के लिए स्पीकर से अनुमति लेनी पड़ती थी। कई बार होता था, जब स्पीकर अनुमति नहीं देते थे। हालांकि, अब सांसदों को बड़ी राहत मिली है।

विधानसभा नियमों में संशोधन का उद्देश्य इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के लिए पहुंच को बढ़ाना, एक अधिक प्रतिनिधि और उत्तरदायी विधायी निकाय को बढ़ावा देना है, जबकि यह बदलाव प्रांत की बहुभाषी प्रकृति को दर्शाता है, जिससे विधायकों को संवाद

करने और विधायी चर्चाओं में प्रभावी रूप से भाग लेने में सक्षम बनाया जा सके।

विधानसभा और लोगों के बीच संबंध मजबूत: अध्यक्ष ने कहा कि आधिकारिक कार्यवाही में क्षेत्रीय भाषाओं को मान्यता देना और शामिल करना पंजाब की भाषाई विरासत के सांस्कृतिक सम्मान और स्वीकृति को भी दिखाता है, जिससे विधानसभा और लोगों के बीच संबंध मजबूत होते हैं। इस बात पर विवाद है कि क्या सरायकी, पोटोहारी और मेवाती सिर्फ पंजाबी और अलग-अलग भाषाओं की बोलियां हैं। उनका उपयोग करने वालों का मानना है कि ये अलग-अलग भाषाएं थीं, लेकिन कट्टर पंजाबी इन्हें बोलियां कहते हैं।

यूरोप से संयुक्त अरब अमीरात जा रहे जहाज के पास फिर विस्फोट, लाल सागर में हूती लड़ाकों का आतंक

दुबई, एजेंसी। इस्राइल और हमास युद्ध के बीच यमन के हूती लड़ाके लाल सागर में आतंक फैला रहे हैं। गुरुवार को भी मोखा शहर में एक व्यापारिक जहाज के पास विस्फोट किया गया। वहीं, समुद्र में एक अन्य जगह भी विस्फोट की घटना की सूचना है, जिसकी ब्रिटिश अधिकारी जांच कर रहे हैं।

बता दें कि हूतियों द्वारा नवंबर से लाल सागर, बाब अल-मंदाब जलडमरूमध्य और अदन की खाड़ी के महत्वपूर्ण शिपिंग चैनलों में जहाजों पर बार-बार ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। गुरुवार को भी जहाज पर हमले का मामला सामने आया है। एक व्यापारिक जहाज ने जानकारी दी कि यमन के बंदरगाह शहर मोखा से लगभग 19 समुद्री मील पश्चिम में लाल सागर में उसके पास विस्फोट हुआ। इसके अलावा, यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने भी कहा कि उसे मोखा से 27 समुद्री मील दक्षिण में एक घटना की रिपोर्ट मिली है, जिसकी अधिकारी जांच कर रहे हैं। एक निजी सुरक्षा फर्म ने बताया कि एक व्यापारिक जहाज यूरोप से संयुक्त अरब अमीरात जा रहा था। जिस समय जहाज के पास विस्फोट हुआ, उस समय यह ऑटोमेटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम सिग्नल नहीं भेज रहा था।

सूडान एक कृषि गांव, जहां अन्न भंडार था, वहां अब लाशों का ढेर लगा

खारतूम , एजेंसी।
सूडान के वद अल-नूरा गांव में रैपिड सपोर्ट फोर्स (आर.एस.एफ.) द्वारा किए गए हमले में दर्जनों लोगों की मौत हो गई है। यह हमला सूडान के अन्न भंडार क्षेत्र में स्थित गांव पर किया गया, जिससे एक साल से चल रहे क्रूर युद्ध में बड़ी संख्या में नागरिक हताहत हुए हैं।

बुधवार को जजीरा प्रांत के वद अल-नूरा गांव पर आर.एस.एफ. द्वारा हमला किए जाने के बाद लगभग 50 लोगों के शवों को सामूहिक अंतिम संस्कार के लिए रखा गया, जबकि सैकड़ों ग्रामीण उन्हें देख रहे थे। इस हमले में दर्जनों बच्चों सहित कम से कम 104 लोग मारे गए। इस हमले की सटीक परिस्थितियों पर विवाद है, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों की मौत और सामूहिक दफन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित हुईं और न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा सत्यापित की गईं।

इस हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की गई। सूडान में संयुक्त राष्ट्र की

शीर्ष अधिकारी क्लेमेंटाइन एनक्वेटा-सलामी ने एक बयान में कहा, सूडान के संघर्ष के दुखद मानकों के अनुसार भी, वद अल-नूरा से उभरने वाली तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं। ब्रिटिश विदेश सचिव डेविड कैमरन ने सोशल मीडिया पर लिखा, दुनिया देख रही है। जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। स्थानीय प्रतिरोध समिति ने इस घटना को नरसंहार बताया और कहा कि कम से कम 104 लोग मारे गए। उन्होंने राष्ट्रीय सेना को उन्हें बचाने में विफल रहने का दोषी ठहराया। वद अल-नूरा के लोगों ने सेना से उन्हें बचाने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने मनाक तरीके से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। आर.एस.एफ. ने एक बयान में स्वीकार किया कि इसके बलों ने वद अल-नूरा पर गोलीबारी की थी, लेकिन कहा कि वे गांव के आसपास सैन्य ठिकानों पर हमला कर रहे थे, और लड़ाई में आठ सैनिक मारे गए थे। यूनिसेफ की प्रमुख कैथरीन रसेल ने एक बयान में कहा कि वह हिंसा में कम से कम 35 बच्चों के मारे जाने और 20 के घायल होने की रिपोर्ट से भयभीत हैं। उन्होंने युद्धरत पक्षों से अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करने का आह्वान किया। सूडान के सेना प्रमुख जनरल अब्देल फत्ताह अल-बुरहान ने गुरुवार को हमले में घायल ग्रामीणों से मुलाकात की। पास के शहर अल मनागिल के एक अस्पताल में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सेना हत्याओं के लिए आर.एस.एफ. को कठोर जवाब देगी। यह गांव एक कृषि क्षेत्र में है जो कभी सूडान का अन्न भंडार था, लेकिन अब एक विशाल युद्ध का मैदान बन गया है। आर.एस.एफ. ने दिसंबर में जज़ीरा प्रांत की क्षेत्रीय राजधानी वद मदनी पर कब्जा कर लिया, जो सूडान की सेना को नुकसान में डालने वाली जीत की एक आश्चर्यजनक श्रृंखला का हिस्सा था।

मंगल पर बस्ती बसाने का सपना होगा पूरा ! एलन मस्क के स्टारशिप को मिली बड़ी कामयाबी

वाशिंगटन, एजेंसी।
मून और मंगल मिशन के लिए बनाए गए दुनिया के सबसे वीइकल स्टारशिप का चौथा टेस्ट कामयाब रहा है। गुरुवार को टेस्ट फ्लाइट के बाद इसे हिंद महासागर में सफलतापूर्वक गिराया गया। हालांकि समंदर में गिरते वक्त इसके कुछ हिस्से अलग हो गए और जलते हुए समंदर में गिरने लगे। रॉकेट में लगे कैमरे ने ही इसका वीडियो बना लिया। स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर इस टेस्ट को कामयाब बताया और कहा, कई टाइल्स और फ्लैप के नुकसान के बाद भी स्टारशिप ने महासागर में सॉफ्ट लैंडिंग करके कामयाबी हासिल कर ली है। उन्होंने कहा, दूसरे ग्रह पर जीवन बसाने की ओर यह एक बड़ा कदम है।

बता दें कि अब तक के इस सबसे शक्तिशाली रॉकेट को कंपनी के स्टारबेस

बोका चिका, टेक्सास से सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर लॉन्च किया था। इस स्टारशिप को अंतरिक्ष में भेजा गया और फिर वापस पृथ्वी पर लाया गया। इस टेस्ट का उद्देश्य यही था कि पता लगाया जाए कि स्टारशिप अंतरिक्ष में जाने के बाद जब दोबारा पृथ्वी का वातावरण में लौटता है तो सर्वाइव कर पाता है या नहीं। कंपनी स्पेसएक्स ने भी सोशल मीडिया पर ब ताया कि पानी में लैंडिंग एकदम सफल रही है और इसके लिए स्पेसएक्स की टीम को बधाई।

मंगल पर कॉलोनी बसाने का सपना देखने वाले एलन मस्क के लिए यह मिशन बहुत ही अहम था। यह रॉकेट पूरी तरह से रीयूजेबल है। एलन मस्क की कंपनी ने इसे बनाया है। स्टारशिप दरअसल एक स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी बूस्टर का मिलाजुला रूप है। यह 150 मीट्रिक टन तक का भार अपने साथ ले जा सकता है। जानकारी के मुताबिक इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि एक बार में कम से कम 100 लोगों को मंगल ग्रह तक ले जा सके। यह चौथा टेस्ट था और इसकी अवधि 1 घंटा 5 मिनट और 48 सेकंड थी। इस ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम में 6 रैप्टर इंजन और सुपर हैवी में 33 रैप्टर इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले तीसरा टेस्ट सफल नहीं हो पाया था। इस स्टारशिप को पृथ्वी के वातावरण में एंट्री कराते ही संपर्क टूट गया था। वहीं 18 नवंबर 2023 को स्टारशिप को दूसरा टेस्ट करवाया गया था। यह पृथ्वी की तरफ आ ही नहीं पाया था। 3.2 मिनट के बाद ही 90 किलोमीटर ऊपर यह फट गया था। वहीं स्टारशिप को भी 148 किलोमीटर ऊपर नष्ट करना पड गया। पहले टेस्ट 20 अप्रैल 2023 को कराया गाय था। उड़ान भरने के चार मिनट बाद ही इसमें विस्फोट हो गया था और मेक्सिको की खाड़ी के पास गिर गया था।

टीवी, कूलर, किचन और जिमः जेल में बंद इमरान खान को मिल रही लग्जरी सुविधाएं

इस्लामाबाद, एजेंसी। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के पास उनकी कोठरी के बगल में टहलने की जगह, एक कूलर, एक टीवी, एक अलग रसोईघर, व्यायाम के लिए उपकरण और अन्य सुविधाएं हैं। 71 वर्षीय खान पिछले साल सितंबर से रावलपिंडी की हाई सिक्योरटी वाली अदियाला जेल में कैद हैं। उन्हें जिला जेल अटक से इस जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां उन्हें तोशखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 5 अगस्त 2023 को गिरफ्तारी के बाद रखा गया था। 30 मई को एक मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश होते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक ने मुख्य न्यायाधीश से शिकायत की थी कि वह एकांत कारावास में रह रहे हैं और सरकार ने वकीलों और परिवार से उनकी मुलाकात पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपे गए जवाब में उनके द्वारा प्राप्त सुविधाओं की एक सूची प्रदान करके उनके दावों को खारिज कर दिया।

संक्षिप्त-खबर

रेमड़ा मे कबीर जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में चौका आरती सम्पन्न हुआ

बसना(समय दर्शन)। बसना क्षेत्रान्तर्गत के ग्राम रेमड़ा मे सदगुरू कबीर साहेब जी की सतप्रेरणा से आज महंत लखन मुनि साहेब के पावन सानिध्य में सदगुरू कबीर साहेब जी के प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष्य में चौका आरती का आयोजन रखा गया। ग्राम रेमडा के आयोजन समिति के सदस्य उग्रसेन साखरे,मोहन खण्डेल ने बताया कि महंत लखन मुनि साहेब के सानिध्य मेआयोजित इस परम दुर्लभ सत्संग व चौका आरती मे धर्मानुरागी सज्जनों एवं साहेब के हंस पुरुषों ,माताओं, बहनों ने सद्गुरु कबीर साहेब के प्राकट्य उत्सव के शुभ अवसर पर कबीर जीवन दर्शन, जीवनोपयोगी, मोक्षदायनी प्रवचन व सत्संग समारोह कबीर आश्रम परिसर ग्राम-रेमड़ा में सैकडो की संख्या में पधारकर महंत लखन मुनि से गुरू वाणी सुनकर प्रभावित हुए। संत व गुरुजनों के मुखारबिन्द से कल्याणकारी, अमृतमयी संदेश का लाभ अर्जित करने के साथ, धर्म व पुण्य के इस गौरवमयी क्षण मे भाग लेने कबीर पंथ के दूर दूरांचल से भक्तिमति मातायें बहने व साधकगण बडी संख्या में पहुँचे। कार्यक्रम 08 जून शनिवार को कबीर आश्रम रेमडा मे आयोजित हुआ। सदगुरू की सतप्रेरणा से अविरल प्रवाह सत्संग, भजन, प्रवचन गुरूवाणी भजन एवं संगीतममय ग्रंथ मण्डली ग्राम-पहण्डा (चम्पारन) से पधारें सत्संग टीम द्वारा शाम 4 बजे से प्रारम्भ होकर अनवरत भोजन सत्र तक चला।

चौका आरती सत्संग संध्या 5 से 7 बजे तक महंत लखन मुनि साहेब प्रचीन कबीर कुटी तरेकेला के मुखारविंद से संपन्न हुआ। चौका आरती पश्चात संध्या 7 बजे भण्डारा पश्चात पुन: रात्रि 8 बजे से रात्रि कालीन भजन सत्संग की गंगा बहती रही । पूर्वाही सदगुरु भजन संध्या भेण्डरी (धमतरी) की मनमोहक प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया।

सारंगढ़ में द्वितीय शनिवार को हुआ दिव्यांग जांच शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए जरूरी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को सिविल अस्पताल सारंगढ़ में मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया।कलेक्टर श्री धर्मेश कुमार साहू के मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से दिव्यांगजनों के विशिष्ट पहचान पत्र यूडीआईडी के प्रमाणीकरण हेतु जिला मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सक दल द्वारा यह संपन्न हुआ। जिला स्वास्थ्य प्रशासन ने मितानिन के माध्यम से दिव्यांग जनों को शिविर के संबंध में सूचित भी किया था। इस विशेष शिविर में आए हुए दिव्यांगजनों का आंकलन सह प्रमाणीकरण कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में दिव्यांग और उनके परिजन उपस्थित थे। सारंगढ़ बिलाईगढ़ के जिला मेडिकल बोर्ड शिविर में कुल 113 पंजीयन और 87 यूडीआईडी चिन्हित हुए। सक्षम शनिवार की थीम पर इस विशेष शिविर में आए हुए दिव्यांगजनों का आंकलन सह प्रमाणीकरण अंतर्गत दृष्टि बाधित के 17, अस्थिबाधित 51, मानसिकमंद 04, श्रवणबाधित 11, सिकल सेल 01, सेरेब्रल पाल्सी 03 के एक दिव्यांग का यूडीआइडी जांच किया गया। दिव्यांग शिविर में हड्डी रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश पटेल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मीना पटेल, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अशोक अग्रवाल, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अनूप अग्रवाल, ऑडियो मेट्री टेक्नीशियन चक्रधर पटेल सहित मेडिकल स्टाफ उप संचालक समाज कल्याण विनय तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अवधेश पाणिग्रही, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राम लाल सिदार, डॉक्टर बी पी साय की टीम का योगदान रहा।

अमित मिश्रा पर अब तक कठोर कार्रवाई क्यों नहीं, सवालों के घेरे में पुलिस की कार्यप्रणाली

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्लेसमेंट कंपनी के कर्मचारी अमित मिश्रा के खिलाफ जिला पुलिस प्रशासन जांच के नाम पर फरियादियों के आवेदन को अब शिकायतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पूर्व लोकेशन ऑफिसर के खिलाफइस बार राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत की गई है। इस बार शिकायतकर्ता ठेका कर्मी नहीं बल्कि आबकारी विभाग की महिला अधिकारी है। इन्होंने जो शिकायत की है यह काफी गंभीर मसला है। आबकारी विभाग जिला राजनांदगांव में पदस्थ है महिला अधिकारियों ने कहा कि अमित मिश्रा पूर्व लोकेशन ऑफिसर सुमीत फैसिलिटिज एवं प्राइम वन कंपनी जिला राजनांदगांव के द्वारा दुर्व्यवहार एवं अपमान जनक शब्दों का प्रयोग कर हमें कार्यालय में एवं फोन से बात कर अपमानित किया जाता था। अमित मिश्रा दुकानों में एवं बारों में निरीक्षण के लिये जाने को मना करता था। कहता था इस जिले को मैं चला रहा हूं, मुझसे पूछे बगैर आप लोगों को बार एवं दुकानों में नहीं जाना है। हम लोगों को कार्यालय में साहब के नाम से बुलाकर अपमान जनक शब्दों जैसे रे, तुम चलो, निकलो यहां से, तुम लोग कुछ काम नहीं करते हो, तुम्हारा ट्रांसफर करवा दूंगा आदि कहता था और यह भी कहता था, कि दुकान में जो हो रहा है होने दो। न तो दुकान जाने की आवश्यकता है, न ही निरीक्षण लिखने की। इस प्रकार साहब का धौंस दिखाता अमित मिश्रा हमें हमारा शासकीय कार्य करने से रोकता था, व हमसे इस प्रकार व्यवहार करता था, जैसे कि वही हमारा अधिकारी है। जहां बोल रहा हूं वहां जाओ इधर-उधर दुकान में मत जाओ, इस प्रकार कड़े शब्दों से डांटकर बात करता था। अमित मिश्रा अक्सर कार्यालय आकर

हमारे पहनावे पर टिप्पणी करता था, कहता था ये क्या पहन कर आ गये, उसके द्वारा कई बार हम महिला अधिकारी की गरिमा एवं सम्मान को ठेस पहुंचाया गया है। उसके व्यवहार से हमें भय होता था, वो हम सबको डरा कर रखता था। सूबे के मुखिया भले ही पुलिस महकमे को चुस्त-दुरुस्त रहने की लगातार हिदायत दे रहे है, लेकिन राजनांदगांव जिले में पुलिस की कार्यप्रणाली ठीक इसके विपरित चलती नजर आ रही है।

पुलिस की सुस्ती का आलम यह है, कि एक व्यक्ति अमित मिश्रा जो कि लंबे समय तक अधिकारियों के संरक्षण में एक विभाग को अपनी बपौती बनाकर चलाता रहा था, उसके खिलाफ एक नहीं दो नहीं, तीन-तीन आवेदन दिये जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं करना पुलिस महकमें को संदेह के घेरे में खड़ा करता है और यह प्रश्न खड़ा होता है कि पुलिस क्या ऐसे व्यक्ति को संरक्षण दे रही है, जबकि अमित मिश्रा के आडियो कुछ माह पूर्व वायरल हुआ था, उसमे पुलिस प्रशासन को भी गाली-गलौच करते देख लेने की धमकी भी दिया। बात दरअसल आबकारी विभाग की है, जहां पिछले कई सालों से अमित मिश्रा नाम का बाहरी व्यक्ति विभागीय अधिकारियों के संरक्षण में बड़ा खेल करता आ रहा था। अमित मिश्रा का प्रभाव ऐसा था, कि वह विभाग के अधीनस्थ अधिकारियों पर नियंत्रण करने लग गया था। मदिरा दुकानों पर पूरी तरह उसका कब्जा था। विभागीय अधिकारियों से दुर्व्यवहार, महिला अधिकारियों से बदसलुकी, दुकानों में कोचिया, ओवर रेट कराना, वसूली करना, दुकान के स्टॉफको जब चाहे तब नौकरी से निकालना एवं प्रताड़ित करना ये सब उसके कारनामें है, उसके कारनामें यहीं खत्म नहीं होते, क्योंकि वह अपने आप को खतरों का खिलाड़ी से कम नहीं समझता। भले ही लोगों के जान-माल का नुकसान हो जाये। अमित मिश्रा जन्मदिन मदिरा दुकान में मनाता है और दुकान स्टॉफ के मना करने के बावजूद दुकान के अंदर केक काटते हुए फुलझड़ी फ्यूमा जैसा ज्वलनशील पदार्थ जलाता है, इसका फोटो एवं समाचार काफी चर्चा में था। अमित मिश्रा इतना आगे बड़ चुका था कि यह भी नहीं सोचा कि फुलझड़ी पूयमा जैसे विस्फोटक पदार्थ को दुकान के अंदर जलाने से दुकान में रखी मदिरा, जिसमें स्प्रिट होता है, आग पकड़ सकती है, एवं शासकीय संपत्ति एवं लोगों की जान को भारी खतरा हो सकता था, उसके रहते किसी को उसका विरोध करने की हिम्मत नहीं होती थी, क्योंकि उसका जो विरोध करता था उसे वह नौकरी से निकाल देता था।

जिला शतरंज संघ के बैनर तले पिथौरा मे 16वां राज्य चयन स्पर्धा

4 दिवसीय शतरंज स्पर्धा मे 20 जिलों के 150 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

बसना(समय दर्शन)। जिला शतरंज संघ महासमुंद द्वारा पिथौरा में आयोजित 4 दिवसीय शतरंज स्पर्धा का उद्घाटन अग्रवाल समाज पिथौरा के अध्यक्ष अनूप अग्रवाल द्वारा शतरंज की बिसात पर प्यादे की चाल चलकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता व कलार समाज महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रमिला सिन्हा ने की। स्पर्धा में 20 जिलों से 150 चयनित खिलाडियों ने हिस्सा लिया है।

उक्त अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनूप अग्रवाल ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज एक बौद्धिक खेल है। इसे हर उम्र के लोगों को खेलना चाहिए। जरूरी नहीं कि हर शतरंज खिलाड़ी विश्व चैंपियन ही बने, लेकिन शतरंज को खेलते रहने से जो शतरंज खेलने के बेशुमार फायदे है, वे सारे गुण हमारे अंदर समाहित हो जाते हैं। प्रमिला सिन्हा ने कहा कि पिथौरा जैसे छोटी सी जगह में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त स्पर्धा के आयोजन से अंचल का मान बढ़ा है। जिला शतरंज संघ को इस पहल के लिए बधाई देती हूं। खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में हार-जीत एक सामान्य प्रक्रिया है।

हार से कभी भी हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। निरंतर प्रयास और दृढ़ निश्चय से सफलता अवश्य मिलती है। इस राज्य चयन स्पर्धा में 91 हजार रुपए की कुल राशि खिलाडियों को ईनाम स्वरूप दिए जाएंगे। महिला - पुरुष दोनों वर्गों से टॉप 4 - 4 खिलाडियों का चयन राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए किया जाएगा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला क्रीड़ा अधिकारी मनोज धृतलहरे, राज्य शतरंज संघ के पदाधिकारी विकास शर्मा, सुबोध सिंह , ईश्वर राजपूत, पुनीत सिन्हा, राज्य सचिव हेमन्त खुटे, अंतरराष्ट्रीय निर्णायक अनीश अंसारी व जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष डॉ. डी एन साहू मंचासीन थे

टूर्नामेंट डायरेक्टर हेमन्त खुटे ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्ष 2022 से 2024 के भीतर 3 साल के अंतराल में यह तीसरी फीडे रेटिंग स्पर्धा है तथा जिला शतरंज संघ के बैनर तले यह सोलहवां राज्य चयन स्पर्धा है। आगामी दिनों में हमारा प्रयास नेशनल रेटिंग टूर्नामेंट कराने का रहेगा, ताकि जिला व प्रदेश के खिलाडियों को रेटिंग के लिए कहीं बाहर जाना न पड़े।

कार्यक्रम का संचालन संतोष गुप्ता ने किया। उक्त स्पर्धा में 20 जिलों से 150 चयनित खिलाडियों ने हिस्सा लिया है। कार्यक्रम का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह 10 जून को रखा गया है।

प्रदेश अध्यक्ष दिनेश बंजारे की मेहनत लाई रंग क्षेत्र की महिलाओं को मिल रहा एक वर्षों से लाभ

ग्राम पंचायत ग्वालिनडीह में नारी रक्षा सम्मान निधि की बैठक हुई संपन्न

सारंगढ़ (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ युवा समाज सुधार समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश बंजारे एवं संस्था के सदस्यों द्वारा निकाली गई मुख्य योजना नारी रक्षा सम्मान निधि को मई 2023 में शुभारंभ किया गया था और आज पूरे 1 वर्षों से क्षेत्र की सभी वर्गों की महिलाओं को नारी रक्षा सम्मान निधि द्वारा अनुदान राशि प्राप्त हो रही है जिससे सभी संस्था में जुड़े हुए महिलाओं की आर्थिक एवं पारिवारिक स्थिति में काफी सुधार आई है। एक क्रांति विकास की ओर का नारा लगाते हुए क्षेत्र की सभी बहनों को जीने का नया रास्ता मिला है संस्था से जुड़ी हुई सभी बहनों का छत्तीसगढ़ के पूरे क्षेत्र की बहनों से निवेदन किया गया कि अपने जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए सभी बहने नारी रक्षा सम्मान निधि में जुड़े और अपनी आर्थिक एवं पारिवारिक स्थिति में सुधार लाएं। बैठक में उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष श्री दिनेश बंजारे प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती उत्तम बंजारे प्रदेश संयुक्त सचिव अजय एवं ग्राम पंचायत स्तर से श्रीमती कुसुम, श्रीमती सीता सोनी, श्रीमती ममता सोनी, श्रीमती बाहरतीन, श्रीमती सुकवारा ,श्रीमती इतवारी, श्रीमती मिना, है श्रीमती मीना भारती, श्रीमती राजकुमारी, श्रीमती मिनी बंजारे, श्रीमती नानबाई, श्रीमती मथुरा, श्रीमती दिलवाई, श्रीमती अंजनी ,श्रीमती जगदीश, श्रीमती धन भाई, श्रीमती चंद्रिका, श्रीमती श्याम आदि उपस्थित थे।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर बसना एसडीएम एवं बसना तहसीलदार ने किया पौधरोपण

बसना(समय दर्शन)। पर्यावरण दिवस के अवसर पर तहसील व अनुविभागीय मुख्यालय बसना मे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डा. रविराज ठाकुर, तहसीलदार बसना कृष्ण कुमार साहू , उद्यानिकी अधिकारी उपेन्द्र नाग एवम विभागीय कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण का कार्य किया गया। वृक्षारोपण के अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी डा. रविराज ठाकुर ने कहा कि, आने वाले बरसात में लोगों द्वारा अधिक से अधिक पेड़ लगाएं जिससे पर्यावरण संतुलन बना रहे। अनुविभागीय अधिकारी ने लोगों से अपील किया कि पेड़, पौधे लगाने से हमारे एवं हमारे आने वाले पीढ़ियों के लिए वरदान होगा। उन्होंने ने पेड़ पौधों के साथ जल संरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बसना तहसीलदार कृष्ण कुमार साहू ने कहा कि, हम सबका दायित्व बनता है कि अपने आस पास, खेत खलिहान,तालाब, मेढ़ एवम खाली जगहों पर सभी प्रकार के छायादार व फलदार पेड़ पौधे का रोपण करें और उसका देखभाल भी करें। तहसीलदार बसना कृष्ण कुमार साहू ने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि शासन स्तर पर अभी निशुल्क पेड़ का वितरण होना है जिसमें आप सभी सहभागिता निभाएं और पेड़ पौधों का देखभाल जरुर करें। आने वाला समय बरसात का है इसमें हम पेड़ पौधों में ध्यान देंगे तो निश्चित रुप से हमारा क्षेत्र हरियाली से भर जाएगा। शुद्ध आक्सीजन के लिए पेड़ पौधों का होना बहुत जरूरी है।

आज अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे,स्त्री रोग फर्टिलिटी विशेषज्ञ एवं नाक कान गला रोग विशेषज्ञ द्वारा परामर्श एवं आपरेशन शिविर

बसना(समय दर्शन)। अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के संचालक डॉ.एन. के.अग्रवाल के मार्गदर्शन में आज 9जून 2024 को ऑपरेशन शिविर का आयोजन रखा गया है।

इस दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.वर्तिका एस केसरवानी MBBS,DNB,FRM (Infertility)MNAMS,FMAS, Dip in gynaecological endoscopy,(ceil Germany)Mrcogy london) (इनफर्टिलिटी विशेषज्ञ एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ.भारती अग्रवाल(स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन) लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरोस्कोपी(दूरबीन) द्वारा बच्चेदानी एवं पेट की जांच उपलब्ध।

इनफर्टिलिटी ,प्रेगनेन्सी एवं स्त्री रोग से जुड़ी सभी जांच, इलाज एवं सर्जरी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसी के साथ छत्तीसगढ़ के प्रख्यात नाच,कान,गला का ऑपरेशन, वरिष्ठ ई एन टी सर्जन, डॉक्टर सतीश राठी द्वारा जांच परामर्श एवम साथ ही संबंधित आपरेशन भी बसना में ही किये जायेंगे।

समय सुबह 10 बजे से... नाक, कान, गला, रोग संबंधित सभी प्रकार की समस्या के लक्षण जैसे

नाक की तिरछी हड्डी, साइनस, बार-बार टांसिल का बढ़ना, थायराइड, (बेंघा), कान से मवाद आना, आवाज में परिवर्तन, कान के परदे मे छेद हो जाना, निगलने या गटकने में परेशानी इत्यादि समस्याओं के समाधान के लिए आज ही संपर्क करें । ऑपरेशन के इच्छुक मरीज एक दिन पहले भर्ती होने पर परामर्श, ऑपरेशन, दवा, रहना आदि सेवा,, नि:शुल्क रहेगा।

नोट -अग्रिम पंजीयन अनिवार्य है । यह सुविधा केवल आपरेशन के लिए चिन्हित मरीजों के लिए रहेगा। आयुष्मान एवम राशन कार्ड से इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

(NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932)

Notice is hereby given that partnership firm carrying on business under the name and style of " M/S NIRMAN INFRASTRUCTURES" vide Partnership Deed dated 07th DAY OF AUGUST 2007 bearing Regn. No. D.R./267 OF 2007 dated 05/09/2007 Following changes took place in the firm w.e.f. 10th DAY OF JUNE 2024

Name of the Retiring Partner and date of his ceasing to be a partner :

1. HAREES K.P. s/o MOHD. KUTTY KIZHAKKE (10th JUNE 2024)

Further take notice that the business will thenceforth be carried on by the remaining/continuing partners under the old name and style (i.e. M/S NIRMAN INFRASTRUCTURES), and neither the remaining/continuing partners nor the firm shall be liable for any act done by legal heirs of the retiring /deceased partner or anybody acting on their/his behalf after that date.

For M/S NIRMAN INFRASTRUCTURES
PARTNER.

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरपुर में पुष्प नक्षत्र के अवसर पर गर्भ संस्कार सेशन का आयोजन कल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं संचनालाय आयुष छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, राजनांदगाव के सहयोग से जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, राजनांदगाव डॉक्टर शिल्पा पाण्डेय के मार्गदर्शन मे राष्ट्रीय आयुष मिशन द्वारा जिले के चिह्नांकित दो संस्थाओं शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय पदुमतरा एवं शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय सुकुलदैहान का चयन कर राष्ट्रीय कार्यक्रम सुप्रजा योजना से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर योगेवरी ठाकुर एवं डॉक्टर हर्षा दुबे ने बताया कि उत्तम संतान प्राप्त हेतु गर्भ संस्कार किया जाता है, इससे गर्भस्थ हेतु शिशु का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। डॉक्टर शिल्पा पाण्डेय जिला आयुर्वेद अधिकारी, राजनांदगाव ने गर्भ संस्कार पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गर्भ संस्कार का उल्लेख प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों में मिलता है उत्तम आहार सकारात्मक विचार नियमित व्यायाम गर्भ संस्कार के मुख्य घटक है। समाज मे उत्तम गुणों से युक्त स्वस्थ संतान के लक्ष्य प्राप्ति हेतु दिनांक 10.06.2024 को पुष्प नक्षत्र के अवसर पर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरपुर, जिला-राजनांदगाव में गर्भ संस्कार के सेशन का आयोजन किया जावेगा, जिसने गर्भावस्था के दौरान प्रत्येक मास मे किन-किन योग प्राणायाम आहार विहार का उपयोग कब और कैसे किया जाना है, इस विषय पर जानकारी दी जावेगी तथा कुशल चिकित्सकों की देख-रेख में अभ्यास कराया जावेगा, जिनका घरभीनी द्वारा आपने घर पर नित्य प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया जावेगा इसके जानकारी भी दी जावेगी तथा इन औषधियों का वितरण भी गर्भवती स्त्रीयों मे किया जायेगा, इसके साथ ही गर्भनी तथा गर्भ की मानसिक एवं भावनात्मक स्तिथि मे सकारात्मक प्रभाव हेतु विविध वेदों एवं आयुर्वेद संहिताओं मे वर्णित श्लोक एवं मंत्रों से युक्त संगीत का श्रावण भी करवाया भी जायेगा।

शालेय शिक्षक संघ ने किया नवनियुक्त सांसद विजय बघेल से मुलाकात, सांसद चुने जाने पर

पाटन (समय दर्शन)। शालेय शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे के नेतृत्व में दुर्ग संसदीय क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद मान. विजय बघेल से मुलाकात कर उन्हें उनके प्रचंड जीत पर बधाई दी एवं द्वितीय कार्यकाल हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित किया। साथ ही शिक्षको की समस्याओं एवं राज्य की शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार हेतु संघ की ओर से सुझाव दिए गए समाधान हेतु निवेदन किया गया।

सांसद महोदय को संकल्प पत्र में कर्मचारियों के लिए किये गए वादों का स्मरण कराया गया, सभी विषयों को गंभीरता से सुनकर समस्याओं का हल कराने हेतु सकारात्मक प्रयास करने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल में सुनील नायक ,राकेश ठाकुर,कृष्णराज पांडे ,अजय वर्मा ,वेदराम जांगड़े,संतोष शर्मा ,प्रताप धनगर,युवराज साहू,जयपाल गावरे,राकेश ठाकुर आदि शामिल थे।

समाजसेवी शैलेश मिश्रा ने सांसद से मुलाकात कर दी जीत की बधाई

पाटन (समय दर्शन)। सांसद विजय बघेल को बधाई देने वालो का तांता लगा हुआ है। क्षेत्र के लोकप्रिय समाज सेवी ग्राम धूमा निवासी शैलेष मिश्रा अपने समर्थकों ओर आसपास के गांव के जनता के साथ सांसद निवास सेक्टर 5 भिलाई पहुंचे। उन्होंने लोक सभा चुनाव में ऐतिहासिक वोटो के साथ जीत के लिए सांसद विजय बघेल को बधाई दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पाटन क्षेत्र के नागरिक बड़ी संख्या में मौजुद रहे।

सुशासन और
समग्र विकास

निर्भीक, अनवरत, अनथक और उदार नेतृत्व के साथ विकसित भारत के संकल्प के पूर्णता की शपथ

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास